www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 287 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
12 जनवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:57
सूर्यास्तः 05:32
अधिकतमः 16°00
न्यूनतमः 07°00

पेज 07

विशेष समाचार

आग भाजपा नेताओं के बच्चों ... >>पेज 04
दलित बेटी को अगवा करने ... >>पेज 06
क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से हुई ...

मोदी बोले- दुर्भाग्य से देश में आज भी मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें मौजूद

सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास में दफन

तमसा संकेत, एजेंसी

सोमनाथ/राजकोट। गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि उस वक्त आततायी सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। पीएम मोदी ने मंदिर से करीब 3 किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटने की कोशिश में लगी हुई हैं। पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया। पीएम मोदी जिस शौर्य यात्रा में शामिल होंगे, उसमें 108 घोड़े भी नजर आएंगे। शौर्य यात्रा सोमनाथ मंदिर की रक्षा में प्राणों की आहुति देने वाले योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए निकाली जाती है। यात्रा का समापन सोमनाथ के सद्भावना मैदान में होगा। साल 2012 में जब नरेंद्र मोदी गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने सोमनाथ के इसी मैदान में नर्मदा नदी पर बने सरदार सरोवर डैम की ऊंचाई बढ़ाने के मुद्दे पर हुए जन आंदोलन के दौरान सद्भावना उपवास रखा था। तब से यह मैदान 'सद्भावना मैदान' के नाम से पहचाना जाने लगा है। पीएम मोदी ने शौर्य यात्रा के दौरान वीर हमीरजी गोहिल की मूर्ति को नमन किया। वीर हमीर जी गुजरात के एक शूरवीर राजपूत योद्धा थे। जिन्होंने 14वीं सदी के अंत में दिल्ली सल्तनत के सुल्तान जफर खान के आक्रमण से सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

- मंदिर में पूजा करने से पहले पीएम मोदी शौर्य यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने दोनों हाथों में दो डमरू लेकर बजाए।
- पीएम मोदी हमीरजी सर्कल से पैदल चलकर सोमनाथ मंदिर पहुंचे थे।

गजनवी को लगा सोमनाथ का वजूद मिटाया, मंदिर फिर खड़ा हुआ

पीएम ने कहा- आज उस इतिहास के बारें में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया। लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा। लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुनर्निर्माण करा दिया। मोदी शनिवार शाम सोमनाथ पहुंचे थे। यहां सोमनाथ मंदिर पर साल 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया गया। सोमनाथ मंदिर पर गजनवी के हमले के 1000 सालः मुस्लिम शासकों ने कई बार तोड़ा, सरदार पटेल ने बनवाया; ध्वस्त होने से बनने तक की कहानियां

पीएम ने कहा- न तो सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत

ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं। और अब इसके पुनर्निर्माण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं। लेकिन न ही सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत नष्ट हुए।

पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। दरअसल, 1951 में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी। जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है। लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया।

मोदी ने कहा- 1000 साल भी सोमनाथ में ध्वज फहरा रहा

आज जब मैं आपसे बात कर रहा हूं तो मन में बार-बार प्रश्न आ रहा है कि ठीक 1 हजार साल पहले इसी जगह जहां आप बैठे हैं, क्या माहौल रहा होगा। हमारे पुरखों ने जान की बजा लगा दी थी अपनी आस्था के लिए अपने विश्वास के लिए, अपने महादेव के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर कर दिया।

मोदी के संबोधन की 4 बड़ी बातें...

- **सोमनाथ का वजूद नहीं मिटा पाए:** आज उस इतिहास के बारे में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया, लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा, लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुनर्निर्माण करा दिया।
- **न मंदिर नष्ट हुआ न भारतः** ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं और अब इसके पुनर्निर्माण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं, लेकिन न ही सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत।
- **मजहबी कट्टरपंथी कुछ नहीं बिगाड़ पाए:** जब आक्रांता सोमनाथ पर हमला कर रहे थे, उन्हें लग रहा था कि उनकी तलवार सनातन सोमनाथ को जीत रही है, लेकिन वे मजहबी कट्टरपंथी यह नहीं समझ पाए कि जिस सोमनाथ को वे नष्ट करना चाहते थे। उसके नाम में ही सोम अर्थात अमृत जुड़ा है। उसमें हलाहल को पीकर भी अमर रहने का विचार जुड़ा है।
- **आज भी विरोधी ताकतें मौजूदः** जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है, लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भी मंदिर आने से रोकने की कोशिश की गई।

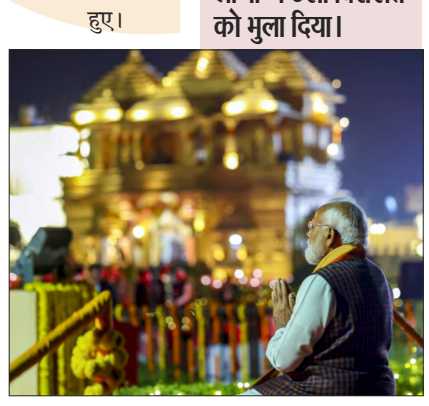

मृत्यु पर विजय पाने वाले हैं शिव : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि गजनी से लेकर औरंगजेब तक जब-जब सोमनाथ पर आक्रमण हुए, तब आक्रांताओं को लगा कि उनकी तलवार सनातन सोमनाथ को पराजित कर देगी. ऐसे धार्मिक कट्टरपंथी यह भूल गए कि सोमनाथ के नाम में ही 'अमृत' है. यह ऊर्जा का स्रोत है. सोमनाथ में विराजमान महादेव का एक नाम 'मृत्युंजय' भी है, यानी मृत्यु पर विजय पाने वाले, मृत्यु के ही स्वरूप पर विजय पाने वाले. यह पूरा ब्रह्मांड उन्हीं से उत्पन्न होता है और उन्हीं में विलीन हो जाता है.

मोदी ने कहा- हमें आज भी बांटने वालों से सावधान रहना है

हमें आज भी सावधान रहना है, एकजुट रहना है। जो हमें बांटनें की कोशिशों में लगी हुई हैं। आज हर देशवासी के मन में विकसित भारत को लेकर भरोसा है।

ठाकरे 10 मिनट में मुंबई बंद करा सकते हैं:राउत

फडणवीस का जवाब- उनमें अब ताकत नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (UBT) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने दावा किया कि ठाकरे परिवार आज भी 10 मिनट में मुंबई बंद कर सकता है। ठाकरे परिवार को महाराष्ट्र की राजनीति से कभी मिटाया नहीं जा सकता। संजय राउत का बयान ऐसे समय आया है, जब 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे एक साथ आए हैं। यह सुलह आगामी बृहन्मुंबई महानगर पालिका (BMC) चुनाव से पहले हुई है। इसके अलावा राउत ने कहा कि गठबंधन के लिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को कुछ मुद्दों पर समझौता करना होगा। शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे और

भाई राज ठाकरे रविवार शाम को मुंबई के शिवाजी पार्क में जनसभा करेंगे। इससे पहले दोनों ने 9 जनवरी को नासिक में साथ जनसभा की थी। इस दोरान उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी के हिंदुत्व के प्रति समर्पण पर सवाल उठाया था। दागी नेताओं को शामिल करने पर कहा कि वह इतनी बेशर्म हो गई है कि वह राक्षस राजा रावण को भी अपने साथ मिला सकती है। वहीं राज ने आरोप लगाया था।

असम सीएम के दिमाग में ट्यूबलाइट है : ओवैसी

उनको संविधान की समझ नहीं है

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के दिमाग में ट्यूबलाइट है। उन्होंने कहा कि सरमा को संविधान की समझ नहीं है। ओवैसी ने शनिवार को कहा था इस देश की PM हिजाब वाली बेटी भी बन सकती है। इसके जवाब में हिमंत ने कहा था कि संवैधानिक रूप से इसपर कोई रोक नहीं है। कोई भी प्रधानमंत्री बन सकता है। लेकिन भारत एक हिंदू राष्ट्र है और प्रधानमंत्री हमेशा एक हिंदू व्यक्ति ही होगा। AIMIM

प्रमुख ने मीडिया से बात करते हुए कहा- हिमंत ने संविधान की शपथ ली है। यह संविधान में कहां लिखा है? पाकिस्तान के संविधान में लिखा है कि सिर्फ एक समुदाय का व्यक्ति ही उस देश का PM और राष्ट्रपति बन सकता है। हमारे देश में बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

पति के मर्डर की गवाह महिला की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के शालीमार बाग में शनिवार सुबह 52 साल की रचना यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रचना 2023 में अपने पति की हत्या के मामले में मुख्य गवाह थीं। परिवार के मुताबिक, रचना एक पड़ोसी के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रही थीं। घर के पास हाथ-पैर धोते समय हमलावरों ने उन्हें बेहद नजदीक से सिर पर गोली मार दी।

चाइनीज मांझे से आधे घंटे में दो के गले कटे

इंदौर। इंदौर में चाइनीज मांझे से आधा घंटे में ही दो बाइक सवार युवकों का गला कट गया। एक युवक की अस्पताल में मौत हो गई जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। पहला हादसा खजराना ब्रिज पर रविवार शाम करीब साढ़े 5 बजे हुआ। मृतक की पहचान रघुवीर धाकड़ के रूप में हुई है, जो बिचौली मर्दाना स्थित ओम साई विहार कॉलोनी का निवासी था। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजन के मुताबिक, रघुवीर टाइल्स के काम की ठेकेदारी करता था। रविवार को छुट्टी होने के बावजूद बाइक से एक साइट देखने गया था।

हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर। जयपुर में एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। हेलिकॉप्टर जयपुर से भोपाल (मध्य प्रदेश) जा रहा था। प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार पायलट और को-पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की जयपुर ग्रामीण के रायसर के पास स्थित वामनवाटी गांव की है।

आरएसएस बदला नहीं है : भागवत

समय के साथ अपने स्वरूप सामने ला रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संघ बदला नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे विकसित हो रहा और समय के साथ उसका स्वरूप सामने आया है। उन्होंने कहा कि लोग इसे बदलाव के रूप में देख रहे हैं, जबकि मूल विचार और चरित्र वही है। भागवत नई दिल्ली में RSS के 100 साल की यात्रा पर बनी फिल्म 'शतक' के गीतों के एल्बम लॉन्च कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर गायक सुखविंदर सिंह, फिल्म निर्देशक आशीष मल्ल, को-

प्रोड्यूसर आशीष तिवारी और RSS के वरिष्ठ पदाधिकारी भैयाजी जोशी भी मौजूद रहे। संघ प्रमुख ने कहा, 'RSS अपनी सौवीं वर्षगांठ मना रहा है। जैसे-जैसे संगठन का विस्तार हुआ और उसने नए-नए रूप लिए, लोगों को यह बदलाव जैसा लगने लगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

अजीत डोभाल ने साझा की अपनी सुरक्षा रणनीति, मोबाइल और इंटरनेट से दूर रहने का किया खुलासा

'प्रतिशोध अगर भूल गए तो इस देश की सबसे बड़ी त्रासदी होगी'

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में 'विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद' के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में डोभाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को अपनी सुरक्षा सिर्फ सीमाओं पर मजबूत नहीं करनी है, बल्कि आर्थिक और तकनीकी तौर पर भी देश को इतना मजबूत बनाना है कि हमलों और पराधीनता के अपने इतिहास का प्रतिशोध ले सकें। उन्होंने तीन दिवसीय इस

आयोजन में भाग ले रहे देश भर के तीन हजार युवाओं से कहा, 'मैं गुलाम भारत में पैदा हुआ था। आप भाग्यशाली हैं कि स्वतंत्र भारत में पैदा हुए। सदियों तक हमारे पूर्वजों ने इसके लिये बहुत कुर्बानियां और अपमान सहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रतिशोध अपने आप में बड़ी शक्ति होती है-डोभाल

उन्होंने कहा, 'प्रतिशोध शब्द अच्छा तो नहीं है, लेकिन यह अपने आप में बड़ी शक्ति होती है। हमें अपने इतिहास का प्रतिशोध लेना है और हमें इस देश को फिर वहां पहुंचाना है, जहां हम अपने हक, अपने विचार और अपनी आस्थाओं के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें।

डोभाल ने कहा, 'नेपोलियन बोनापार्ट बहुत बड़ा योद्धा था, जो कहता था कि मुझे हजार शेरों की फौज से डर नहीं लगता, अगर उस-का नेतृत्व एक भेड़ का बच्चा कर रहा है, लेकिन अगर भेड़ों की फौज का नेतृत्व करने वाला एक शेर होगा, तो मुझे उससे बहुत डर लगता है। नेतृत्व क्षमता इतनी महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा कि दुनिया भर में लड़ाइयां सुरक्षा चिंताओं के कारण ही लड़ी जाती है।

नेतृत्व में होनी चाहिए सही निर्णय लेने की क्षमता-एनएसए

कार्यक्रम में भाग ले रहे युवाओं को 'भविष्य का नेता' बताते हुए उनसे इच्छाशक्ति और सही निर्णय लेने की क्षमता के विकास का आह्वान करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उदाहरण दिया । उन्होंने कहा, 'आज हम बहुत भाग्यशाली हैं कि देश में एक ऐसा नेतृत्व है, जिसने दस साल में देश को कहां से कहां पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता, मेहनत, मोदीजी के पास इतने नये विचार रहते हैं, जो इच्छाशक्ति और समर्पण से आता है। आप भाग्यवान हैं कि उस भारत को देखेंगे, जिसकी हम कल्पना कर सकते हैं।'

बुजुर्ग एनआरआई कपल को 17 दिन डिजिटल अरेस्ट रखा

15 करोड़ लूटे, ठगों ने कहा- आपके अकाउंट में ब्लैक मनी

ठगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बुजुर्ग नॉन रेजिडेंट इंडियन (NRI) कपल को 17 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखकर 15 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ठगों ने खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (TRAI) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) का अधिकारी बताकर कहा था- आपके खाते में ब्लैक मनी है। अब उनके पैसे भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के जरिए वापस किए जाएंगे और पुलिस को इसकी जानकारी दे

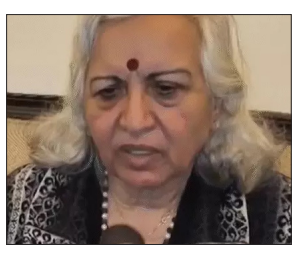

दी गई है। बुजुर्ग कपल ने शनिवार को दिल्ली पुलिस में FIR दर्ज कराई। पीड़ित कपल डॉ. ओम तनेजा और उनकी पत्नी डॉ. इंदिरा तनेजा करीब 48 साल तक अमेरिका में रहे और संयुक्त राष्ट्र (UN) से जुड़े रहे। रिटायरमेंट के बाद 2015 में वे भारत लौटे थे और तब से ग्रेटर कैलाश-2 में रह रहे हैं। 77 साल की डॉ. इंदिरा तनेजा ने पुलिस को बताया कि उन्हें एक कॉल आया, जिसमें कॉलर ने दावा किया कि उनके मोबाइल नंबर से आपत्ति-जनक कॉल की गई हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि उनके बैंक खातों में काला धन पाया गया है और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच चल रही है। महिला के मुताबिक, यह घटना 24 दिसंबर 2025 से शुरू हुई। साइबर ठगों ने 10 जनवरी की सुबह तक वीडियो कॉल के जरिए दंपती पर लगातार नजर रखी। इस बीच साइबर ठगों ने उन्हें गिरफ्तारी वारंट और फर्जी आपराधिक मामलों की धमकी दी।

>> (शेष पेज 06 पर)

सरकार पाकिस्तान से बातचीत करे, बीजेपी प्रवक्ता का जवाब- कांग्रेस की पहचान

ऑपरेशन सिंदूर खत्म करना चाहिए : मणिशंकर अय्यर

पूनावाला ने कहा- राहुल ने सर्जिकल स्ट्राइक को खून की दलाली कहा था। वे ऑपरेशन सिंदूर को विफल बताते हैं। अब गांधी परिवार के इशारे पर मणिशंकर अय्यर ने फिर से पाकिस्तान के लिए पैरवी की है और ऑपरेशन सिंदूर का मखौल उड़ाया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि भारत को तुरंत ऑपरेशन सिंदूर खत्म करना चाहिए और पाकिस्तान के साथ बिना किसी देरी के बातचीत की मेज पर लौटना चाहिए। अय्यर ने ये बात एक इंटरव्यू में कही है। इसका वीडियो भी सामने आया है। उनके बयान पर जवाब देते हुए BJP प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस को "इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस" बताया। उन्होंने कहा- कांग्रेस बार-बार पाकिस्तान को क्लीन चिट देती है और आतंकवाद के खिलाफ

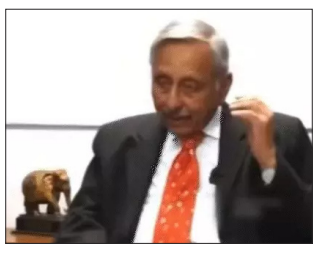

सख्त कार्रवाई का समर्थन नहीं करती। कांग्रेस की पहचान, PAK मेरा भाईजान, सेना का करो अपमान अय्यर ने 28 अगस्त को कहा था कि हमारे सांसद पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करने दुनिया भर में गए, लेकिन किसी ने हमारी बात नहीं मानी।

>> (शेष पेज 06 पर)

अय्यर के बयान पर नेताओं की प्रतिक्रिया

- **भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया-** मणिशंकर अय्यर कौन होते हैं हमें पाठ पढ़ाने वाले? 10 साल जब उनका शासन था, तब कितनी आतंकवादी घटनाएं होती थीं। कांग्रेस के लोग चाहते हैं कि देश में आतंकी गतिविधियां रहें। नरेंद्र मोदी के शासन में पाकिस्तान अगर चू करेगा तो उसका जवाब ठोक कर दिया जाएगा।
- **सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद-** मणिशंकर अय्यर का बयान हो या अमेरिका का बयान हो। बहुत से देशों ने भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद तनाव समाप्त करने के लिए बातचीत की बात कही थी। देश की सरकार ने जहां एक तरफ यह कहा कि खून और पानी साथ नहीं बहेगा, दूसरी ओर भारत पाक क्रिकेट मैच होता है तो बहुत से सवाल उठते हैं।
- **आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी-** राष्ट्रीय हित में क्या है और दोनों देशों के बीच संबंधों को कैसे संभाला जाना चाहिए, यह तय करना मौजूदा सरकार का काम है। यह सरकार का आंतरिक मामला है और इस पर किसी को भी विशेष टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

'आप' का बांग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन

नेता बोले- वहां हिंदुओं को मारा जा रहा, यहां सरकार शेख हसीना को बिरयानी खिला रही

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में आम आदमी पार्टी (AAP) ने बांग्लादेश के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी नारेबाजी की। बांग्लादेश का पुतला फूंक दिया। पैरों तले कुचल दिया। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सभी AAP कार्यकर्ताओं को गाड़ी में ठूंस दिया और इको गार्डन भेज दिया। अडानी ग्रुप झारखंड से बिजली पैदा करके बांग्लादेश को दे रहा है हम तत्काल इस पर रोक लगाने की मांग करते हैं। शेख हसीना को बांग्लादेश ने भगोड़ा घोषित कर दिया वह वहां पर सजायाफ्ता है और भारत में उन्हें बैठाकर टैक्स के पैसे से बिरयानी खिलाया जा रहा है। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है उसके खिलाफ आज आम आदमी पार्टी पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतरी है।

'देश में बेटियां सुरक्षित नहीं'

1 साल से ज्यादा हो गया बांग्लादेश में लगातार अत्याचार हो रहा है और सरकार मौन बैठी है। इस सरकार में न देश के बाहर हिंदू सुरक्षित है और न UR देश के अंदर महिलाएं सुरक्षित हैं। मेरठ में एक दलित महिला को उठा ले गए और उसकी मां की हत्या कर दी। इस मुद्दे पर भी प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है। भाजपा कहती थी कि अगर कोई व्यक्ति महिला के साथ अपराध करेगा तो अगले चौराहे पर उसे यमराज खड़े मिलेंगे। हम यह पूछना चाहते हैं कि कहां है वह यमराज? आज बेटियों के साथ जो दुर्व्यवहार हो रहा है उस पर न्याय क्यों नहीं मिलता?

ये सरकार न हिंदुओं की, न मुसलमानों की- इरम

आम आदमी पार्टी की जिला अध्यक्ष इरम ने कहा कि यह बहुत अफसोस की बात है कि बांग्लादेश में लंबे समय से हिंदू समुदाय पर अत्याचार हो रहा है। वहां पर हिंदू मारे जा रहे हैं और हमारे प्रधानमंत्री मौन बैठे हैं। जिस तरीके से हिंदू भाइयों का खून बहाया जा रहा है क्या उनका खून इतना सस्ता हो गया कि कोई भी उस पर आवाज ना उठाए। मौजूदा सरकार उद्योगपतियों का मुनाफा करवा रही है इसलिए बांग्लादेश के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। देश की जनता यह जानना चाहती है क्या यह हिंदू सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए बना है। यह सरकार न हिंदुओं की है, न मुसलमानों की। ये लोग अपनी कुर्सी के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

'आप' कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदुओं को मारा जा रहा है और यहां सरकार शेख हसीना को बैठाकर बिरयानी खिला रही है। मांग की कि शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेज देना चाहिए। प्रदर्शन रविवार दोपहर कैसरबाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे पर किया गया।

शेख हसीना को बिरयानी खिला रहे हैं- प्रतिपाल

प्रदर्शन में शामिल आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता प्रतिपाल सिंह ने कहा कि हमारे हिंदू भाइयों पर बांग्लादेश में अत्याचार बढ़ता जा रहा है और सरकार की चुप्पी बेहद शर्मनाक है। हमारे देश के मुखिया प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जो कहते हैं कि देश में हिंदुओं की सरकार है मगर हिंदुओं के ऊपर लगातार अत्याचार हो रहा है।

रोड एक्सीडेंट में मैनेजर की मौत

इकलौता बेटा था, डिवाइडर से टकराकर कार पलटी, 3 दोस्त घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर इलाके में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार के डिवाइडर से टकराने के बाद पलट जाने से कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान दीपक बिष्ट के रूप में हुई है, जो एक एजुकेशन टेक कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामपुर के सिविल लाइंस क्षेत्र के रहने वाले दीपक बिष्ट वर्तमान में लखनऊ में रहकर गोमती नगर स्थित एक एजुकेशन टेक कंपनी में मैनेजर के पद पर तैनात थे। शनिवार रात वह अपने तीन साथियों प्रतीक बिंद, शिवम चौरसिया और अनुराग के साथ कार से आलमबाग बस अड्डे गए थे, जहां उन्होंने एक साथी को छोड़ा। इसके बाद चारों लोग वापस

गोमती नगर की ओर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार लोहिया चौराहे के पास पहुंची, अचानक वाहन बेकाबू हो गया और सड़क के डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पलट गई। हादसे में कार के शीशे टूट गए और दोनों एयरबैग खुल गए, फिर भी कार सवार चारों लोग बुरी तरह घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तुरंत डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान दीपक बिष्ट ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों के अनुसार, दीपक को गंभीर अंदरूनी चोटें आई थीं। दीपक बिष्ट चार बहनों में इकलौते भाई थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, कार में सवार प्रतीक बिंद, शिवम चौरसिया और अनुराग की हालत भी गंभीर बनी हुई है और तीनों का इलाज लोहिया संस्थान में जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार के अनियंत्रित होने के कारण यह हादसा हुआ, हालांकि अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

फास्ट न्यूज

गाड़ी खड़ी करने पर चले लाठी डंडे

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज थानाक्षेत्र स्थित बसंतकुंज योजना में गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुआ विवाद हिंसक झगड़े में तब्दील हो गया। आरोप है कि 4 से 5 दबंगों ने मिलकर एक युवकों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। वसंत कुंज योजना स्थित प्रधानमंत्री आवास में रहने वाले नियाजउद्दीन अंसारी ने बताया कि उनके घर के बाहर कुछ लोगों ने गाड़ी खड़ी कर दी थी।

साइकिल सवार के ऊपर चढ़ते हुई पलटी कार

मोहनलालगंज (लखनऊ)। लखनऊ के मोहलालगंज इलाके में एक बेकाबू कार साइकिल सवार पर चढ़ते हुए पलट गई। इस दौरान कार का टायर भी फट गया। इस हादसे में साइकिल सवार शख्स की कार के नीचे दबने से मौत हो गई। वह काम पर जा रहा था। इस हादसे में कार ड्राइवर सकुशल बच गया। वह मौके से भाग निकला। यह दुर्घटना रविवार सुबह करीब 7:30 बजे फत्तेखेड़ा गांव के पास हुई। फत्तेखेड़ा मजरा कनकहा निवासी रामबरन (40) पुत्र शिवकुमार शिवराम अपने घर से मजदूरी के लिए साइकिल से निकले वह इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास पहुंचे ही थे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्री से 2 कारतूस मिले

लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर दुबई जा रहे एक यात्री के हैंडबैग से .32 बोर के दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ ने यात्री को हिरासत में लिया था। यह घटना बीती रात की है। लखनऊ के ठाकुरगंज निवासी मो. गुफरान को रात 1:35 बजे एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (IX 193) से दुबई जाना था। वह बोर्डिंग के लिए टर्मिनल बिल्डिंग में प्रवेश कर रहे थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की हुई मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा रात करीब 10 बजे लकी धर्म कांटा के पास उस समय हुआ, जब युवक पैदल सड़क पार कर रहा था। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विमलेश पुत्र कमलेश निवासी ग्राम बेलवा, थाना काकोरी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि विमलेश कई फीट दूर जा गिरा और गंभीर चोटों के कारण उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर

अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों की सूचना पर मलिहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मृतक के पास से शराब की एक थैली और कुछ नकदी बरामद हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया। बाद में विमलेश की पहचान उसकी बहन आरती, पत्नी लक्ष्मण, निवासी ग्राम फिरोजपुर, थाना मलिहाबाद द्वारा की गई। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

जालसाजों ने समाज कल्याण विभाग का फर्जी नियुक्ति पत्र दिया, 45 लाख हड़पे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर जालसाजों द्वारा दो युवकों से करीब 45 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा दिया, फर्जी नियुक्ति पत्र जारी किए और ड्यूटी ज्वाइन कराने के नाम पर लगातार टालमटोल करते रहे। जब पीड़ितों को ठगी का शक हुआ और उन्होंने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया।पीड़ितों के अनुसार, आरोपियों ने खुद को प्रभावशाली बताते हुए सरकारी विभागों में सीधी भर्ती कराने का दावा किया था। भरोसा दिलाने के लिए उन्हें नियुक्ति पत्र भी भेजे गए, जो बाद में जांच में फर्जी निकले। नौकरी ज्वाइन कराने के नाम पर अलग-अलग किस्तों में मोटी रकम ली गई। समय बीतने के बावजूद जब ज्वाइनिंग नहीं हुई तो

पीड़ितों ने विभाग से संपर्क किया, जहां उन्हें पता चला कि उनके नाम से कोई नियुक्ति ही नहीं हुई है।ठगी का खुलासा होने के बाद पीड़ितों ने जब अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने न केवल टालमटोल की, बल्कि धमकियां भी दीं। आरोप है कि आरोपियों ने दबाव बनाकर चेक पर हस्ताक्षर भी कराए और उल्टा मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी। इससे पीड़ित मानसिक रूप से भी काफी परेशान रहे।आखिरकार दोनों पीड़ितों ने हजरतगंज थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है। हजरतगंज इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

पहला मामला: 10 लाख की ठगी

सीतापुर के महोली निवासी तौफीक अहमद ने हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि अर्जुन कुमार और रविकांत शुक्ला उर्फ सोनू अपने आपको समाज कल्याण विभाग के अफसरों का करीबी बताया। समाज कल्याण विभाग निदेशालय में लिपिक पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे 10 लाख रुपए ऐंठ लिए।

दूसरा मामला: 35 लाख रुपए की ठगी

हुसैनगंज निवासी प्रशान्त कुमार दुबे ने आरोप लगाया कि निखिल वर्मा ने खुद को एपीसी कार्यालय में स्टेनो बताकर ग्राम विकास अधिकारी और समाज कल्याण पर्यवेक्षक पद की सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया। पीड़ित के मुताबिक जून 2023 से जनवरी 2025 के बीच अलग-अलग खातों और नकद के माध्यम से करीब 35 लाख रुपए ले लिए। आरोप है कि आरोपी ने मूल दस्तावेज और दो चेक भी अपने पास रख लिए। सरकारी डाक के जरिए भेजे गए फर्जी नियुक्ति पत्रों के कारण कार्यालय में ज्वाइनिंग के समय यह सामने आया कि नियुक्ति पत्र नकली हैं।

बीबीएयू में यूनिवर्सिटी डे सेलिब्रेशन का दूसरा दिन

पर्यावरण संरक्षण पर एक्सपर्ट्स ने की चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। भारतीय परंपराओं में पर्यावरण संरक्षण को हमेशा से महत्व दिया गया है। यहां नदियों को मां कहा गया है। धरती को भी मां कहकर पुकारा जाता है। नीम, आंवला और पीपल पर भगवान का वास माना जाता है। कवियों-लेखकों ने भी पर्यावरण और प्रकृति की स्तुति की है। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण के लिए हमेशा किसी दूसरे देश से सीख लेने की जरूरत नहीं है। बस प्राचीन परंपराओं से जुड़कर ही बहुत आसानी से इसे हासिल कर सकते है। ये कहना था, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो.ध्रुव सेन सिंह का। रविवार को वह बाबा साहब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी डे सेलिब्रेशन के दूसरे दिन समरसता, पर्यावरण, स्वदेशी और स्वभाषा पर

व्याख्यान दे रहे है। इस दौरान उन्होंने मैथिली शरण गुप्त और दिनकर की रचनाओं का उल्लेख करते हुए भारतीय परंपराओं ने प्रकृति प्रेम पर विस्तार से जानकारी दी। पहले दिन के कार्यक्रम जहां अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में हुए। वहीं, दूसरे दिन कार्यक्रम एनवायरन्मेंटल साइंस डिपार्टमेंट में इसका आयोजन हुआ। इस दौरान 'विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए सामाजिक परिवर्तन' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

ईडी भी एक्टिव, सहायक औषधि आयुक्त और औषधि निरीक्षक रडार पर

कोडीन कफ सिरप घोटाले में बड़े अफसरों पर गिरेगी गाज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री और फर्जी बिलिंग के बहुचर्चित मामले में अब विभागीय गुनहगारों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) ने सहायक औषधि आयुक्त और औषधि निरीक्षकों समेत आधा दर्जन से अधिक अधिकारियों को चिह्नित कर लिया है। शासन से अनुमति मिलते ही इनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई होगी। उधर, प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने भी अपनी जांच तेज कर दी है और मनी ट्रेल को खंगाला जा रहा है। FSDA ने करीब दो महीने पहले नारकोटिक्स

श्रेणी की दवाओं, खासकर कोडीनयुक्त कफ सिरप के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया था। जांच में एक संगठित सिंडीकेट का खुलासा हुआ, जिसका नेटवर्क वाराणसी से गाजियाबाद तक फैला हुआ था। करोड़ों बोतल कफ सिरप सिर्फ कागजों में खपा दी गईं। न दवा बनी, न बिकी और न ही बाजार में आई, केवल फर्जी बिलिंग के जरिए लेन-देन दिखाया गया।

10-15 रुपए प्रति बोतल कमीशन, 800 करोड़ से ज्यादा का खेल

जांच में सामने आया कि जिन फर्मों के नाम पर फर्जी बिल बनाए गए, उन्हें प्रति बोतल 10 से 15 रुपये का कमीशन दिया गया। इस तरह अब तक 800 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध कारोबार का खुलासा हो चुका है। इस खेल से जुड़े कई लोग बेहद कम समय में करोड़पति बन गए और उनकी आर्थिक हैसियत में अचानक बड़ा उछाल आया।

विभागीय गुनहगार चिह्नित, शासन से अनुमति का इंतजार

सूत्रों के अनुसार, FSDA ने बेहद गोपनीय तरीके से विभाग के भीतर जांच कर सात से आठ अधिकारियों को रडार पर लिया है। इनमें दो से तीन सहायक औषधि आयुक्त और चार से पांच औषधि निरीक्षक शामिल बताए जा रहे हैं। इन पर लापरवाही ही नहीं, बल्कि सीधे तौर पर मिलीभगत के आरोप हैं। शासन से अनुमति मिलते ही इस महीने के अंत तक कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

ईडी ने आलोक सिंह की कॉल डिटेल और बैंक लेन-देन के आधार पर कई अन्य लोगों को भी चिह्नित किया है। इन लोगों ने उसकी दवा कंपनियों के खातों से बड़ी रकम हासिल की थी। अब यह जांच की जा रही है कि ये भुगतान किस मद में किए गए और इनका आलोक से क्या संबंध है। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही ईडी इन सभी से पूछताछ करेगी।

वारदात: लखनऊ में घर का ताला तोड़ रहे थे, भागते समय गिरी बाइक, पुलिस भी पहुंची

3 चोरों को आधी रात लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में रात करीब 3 बजे चोरी करने कॉलोनी में घुसे 3 चोरों को लोगों ने पकड़ लिया। तीनों अपाचे बाइक से आए थे। बाइक सड़क पर खड़ी कर एक घर के बाहर रेकी कर ताला तोड़ने लगे। यह सब सामने वाले घर में लगे CCTV में रिकॉर्ड हो रहा था। उस घर का कोई रात में जागा तो उसने स्क्रीन पर सामने वाले घर के आगे खड़े कुछ लोगों को देखा। उसकी नींद पूरी तरह से टूट गई। शोर मचाने से पहले उसने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस भी अलर्ट हो गई। स्थानीय थाने से फोन आया और उस व्यक्ति से पूरी डिटेल ली गई। पुलिस वालों ने कहा कि आपको शोरगुल नहीं मचाना। पुलिस इस रास्ते से आएगी। आप लोग जस्ट अपोजिट साइड सड़क पर घेर

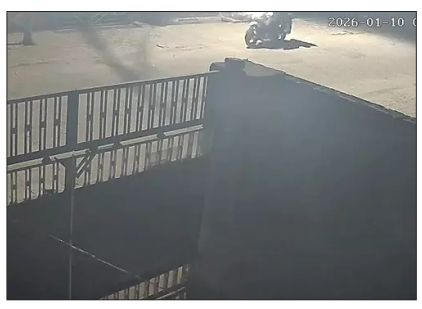

लीजिए ताकि चोर भागने न पाएं। बस फिर क्या था, लोगों ने ऐसा ही किया और तीनों चोर वहीं पकड़े गए। घटना सरोजनी नगर थाना क्षेत्र की एलडीए कॉलोनी, सेक्टर-एफ की है। 10 जनवरी की रात 2:40 बजे के करीब चोर पहुंचे। बाइक खड़ी कर रेकी करने लगे। जब तक पुलिसवाले आते तब तक चोर वहां से निकल चुके थे। वे आगे गए ही होंगे कि सामने से पुलिस आती दिखी। वे तुरंत वापस लौटे लेकिन इधर कॉलोनी वाले इंतजार ही कर रहे थे। शोर मचाकर उनकी तरफ दौड़े तो चोरों की बाइक भी गिर गई और वे पकड़े गए।

सरोजनी नगर थाना पुलिस ने बयान जारी कर बताया है कि इन 3 चोरों में से 2 की हिस्ट्रीशीट है। 2 चोर लखनऊ के ही हैं। इनमें अभिषेक सिंह उर्फ प्रदीप सिंह पुत्र पप्पू सिंह मोतीझील कॉलोनी ऐशबाग का और अमन यादव उर्फ सत्यम पुत्र सुनील यादव राजाजीपुरम ई-ब्लॉक का रहने वाला है। अभिषेक पर लखनऊ के थानों में 8 और अमन पर 10 मुकदमे दर्ज हैं।

2 तमंचे बरामद, ताला तोड़ रहे थे

लोगों की सूचना के कुछ ही देर में सरोजनी नगर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और कॉलोनी-वासियों ने तीनों चोरों को पकड़ लिया। पुलिस अपनी जीप में बैठाकर थाने ले गई। तलाशी के दौरान उनके पास से दो तमंचे बरामद किए गए हैं। तीनों चोर घर का ताला तोड़ रहे थे। घर पर कोई नहीं था जिससे उसमें बाहर से ताला लटक रहा था।

- लोगों ने चोरों के एकदम करीब से वीडियो बनाए। कैमरे फेस करते ही तीनों अपना चेहरा छिपाते दिखे।
- एक चोर सड़क पर टहल रहा था। अन्य दोनों मकान का ताला तोड़ने में लगे थे। यह मकान कमलेश कुमार मल्होत्रा का है।
- पुलिस ने पूरी तैयारी करके चोरों को घेर लिया था।

कर्ज और प्रॉपर्टी विवाद से परेशान प्रॉपर्टी डीलर ने खुद को मारी गोली

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी के गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र में शनिवार को एक प्रॉपर्टी डीलर द्वारा खुद को गोली मार लेने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। आर्थिक तंगी और प्रॉपर्टी कारोबार में फंसे भारी निवेश से परेशान प्रॉपर्टी डीलर ने अपने ही लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है।ग्रीन व्यू अपार्टमेंट, गोमती नगर विस्तार निवासी अभिषेक दत्त प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। उनकी लखनऊ-बाराबंकी सीमा क्षेत्र में प्लाटिंग का कारोबार था। शनिवार दोपहर करीब चार बजे अभिषेक ने रीवर व्यू अपार्टमेंट स्थित अपने कार्यालय में यह कदम उठाया। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।घटना की जानकारी मिलते ही अभिषेक के साले वैभव मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल इलाज के लिए हेल्थ सिटी विस्तार अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार अभिषेक की हालत गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।परिजनों ने बताया कि अभिषेक मूल रूप से मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं और वर्तमान में लखनऊ के ग्रीन वुड अपार्टमेंट में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते हैं। उनकी 'कैप्शकॉन' नाम से एक कंपनी है। कोरोना काल के बाद से उनका कारोबार लगातार नुकसान में चल रहा था। इस दौरान उन पर करीब 7 से 8 करोड़ रुपये का कर्ज हो गया था। कई जगहों पर प्रॉपर्टी का पैसा फंसा हुआ था, जिससे वह लगातार मानसिक तनाव में थे।बताया जा रहा है कि बकाएदार

लगातार जमीन देने या पैसा वापस करने का दबाव बना रहे थे। शनिवार को भी अभिषेक ने अपने कार्यालय में बकाएदारों को बैठक के लिए बुलाया था, लेकिन बैठक से पहले ही उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।सूचना मिलने पर गोमती नगर विस्तार थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने लाइसेंसी रिवाल्वर को कब्जे में ले लिया है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

लेखपालों की गृह ब्लॉक तैनाती पर उठा सवाल

मुख्यमंत्री को भेजा गया प्रार्थना-पत्र, नियमों की अनदेखी का दावा

विवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में राजस्व विभाग के अंतर्गत लेखपालों की तैनाती को लेकर एक बार फिर विवाद सामने आया है। अकबरपुर तहसील क्षेत्र में लेखपालों को उनके ही गृह ब्लॉक अथवा घर के समीप तैनात किए जाने के आरोप लगे हैं। मोहसिनपुर और मंसूरपुर निवासी विकास सहित अन्य लोगों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को प्रार्थना-पत्र भेजकर तहसील प्रशासन पर नियमों के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाया है। यदि लगाए गए आरोपों की पुष्टि होती है तो यह राजस्व विभाग में व्यापक स्तर पर अनियमितताओं की ओर इशारा करेगा। फिलहाल यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला और तहसील प्रशासन इस शिकायत पर क्या कदम उठाता है और क्या नियमों के अनुरूप तैनाती की प्रक्रिया को फिर से लागू किया जाता है। गौरतलब है कि बीते वर्ष भी अम्बेडकरनगर जिले में बड़ी संख्या में लेखपालों की गृह ब्लॉक तैनाती का मामला सामने आया था। उस समय जिला प्रशासन ने ऐसे लेखपालों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। नए प्रार्थना-पत्र के सामने आने से यह संकेत मिल रहा है कि समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

प्रार्थना-पत्र में दिए गए उदाहरण

शिकायत में कुछ विशिष्ट मामलों का भी उल्लेख किया गया है। पत्र के अनुसार शहजादपुर और अब्दुल्लापुर अकबरपुर ब्लॉक के मूल निवासी मोहम्मद राहिल को मीरानपुर क्षेत्र का अतिरिक्त चार्ज दिया गया, जो उनके गृह क्षेत्र से सटा हुआ बताया गया है। इसी तरह अकबरपुर ब्लॉक के सिझोली निवासी अमन सोनकर को अफजलपुर का अतिरिक्त चार्ज देकर उनके घर के समीप तैनात किए जाने का आरोप लगाया गया है।

नियमों के विरुद्ध तैनाती का आरोप

प्रार्थना-पत्र में कहा गया है कि राजस्व विभाग के निर्धारित नियमों के अनुसार लेखपालों की तैनाती उनके मूल निवास अथवा गृह ब्लॉक में नहीं की जानी चाहिए। इसके बावजूद अकबरपुर ब्लॉक में कार्यरत कुल 60 लेखपालों में से कई को उनके निवास स्थान के आसपास ही तैनात कर दिया गया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि यह प्रक्रिया जानबूझकर अपनाई जा रही है।

> **शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन लेखपालों की तैनाती को लेकर कई बार तहसील प्रशासन को प्रार्थना-पत्र दिए गए, लेकिन संबंधित लेखपालों को हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि तहसील स्तर पर प्रभाव और दबाव के चलते गृह ब्लॉक तैनाती को बनाए रखा जा रहा है। प्रार्थना-पत्र में यह भी कहा गया है कि घर के बगल तैनाती से लेखपालों का स्थानीय स्तर पर प्रभाव बढ़ता है, जिससे पारदर्शिता प्रभावित होती है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि इस तरह की तैनाती से राजस्व कार्यों में निष्पक्षता बनाए रखना कठिन हो जाता है और अनियमितताओं की संभावना बढ़ जाती है।**

पहले भी सामने आ चुका है मामला

गौरतलब है कि बीते वर्ष भी अम्बेडकरनगर जिले में बड़ी संख्या में लेखपालों की गृह ब्लॉक तैनाती का मामला सामने आया था। उस समय जिला प्रशासन ने ऐसे लेखपालों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। नए प्रार्थना-पत्र के सामने आने से यह संकेत मिल रहा है कि समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

अम्बेडकरनगर जिले में बड़ी संख्या में लेखपालों की गृह ब्लॉक तैनाती का मामला सामने आया था। उस समय जिला प्रशासन ने ऐसे लेखपालों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। नए प्रार्थना-पत्र के सामने आने से यह संकेत मिल रहा है कि समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

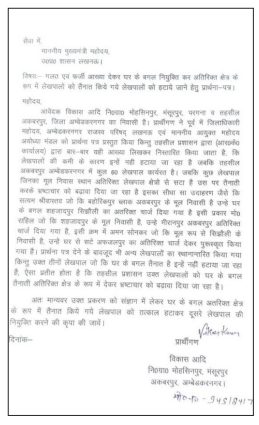

मुख्यमंत्री से की गई मांग

विकास सहित अन्य शिकायतकर्ताओं ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि संबंधित लेखपालों को तत्काल उनके गृह ब्लॉक और घर के आसपास के क्षेत्रों से हटाकर अन्य अतिरिक्त क्षेत्रों में तैनात किया जाए।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष रजनीश सिंह ने किया प्रभारी मंत्री का स्वागत

संगठन और जनता हित पर हुआ विस्तृत विचार-विमर्श

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। रविवार को जनपद आगमन पर खेल-कूद एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री और अंबेडकरनगर प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव का भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ रजनीश सिंह ने सर्किट हाउस में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया। स्वागत समारोह और बैठक में जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी सहित पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती और जनता हित के मुद्दों पर चर्चा करना था। जिला उपाध्यक्ष डॉ रजनीश सिंह ने स्वागत समारोह के दौरान प्रभारी मंत्री का अभिनंदन करते हुए उन्हें जनपद में भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता की ओर से ससम्मान अभिवादन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और विकास कार्यों के क्रियान्वयन में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। डॉ रजनीश सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता के हित और पार्टी के निर्धारित कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ाएं। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री और पार्टी पदाधिकारियों ने जनपद में संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी गतिविधियों की रूपरेखा पर चर्चा की। डॉ रजनीश सिंह ने संगठन के विभिन्न स्तरों पर कामकाज की समीक्षा की और आगामी योजनाओं को समय-bound और प्रभावी बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जनता के मुद्दों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

फास्ट न्यूज

जमीनी विवाद में व्यक्ति की मौत

अंबेडकर नगर के अकबरपुर थाना क्षेत्र के अरिया गांव में जमीनी विवाद के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। रविवार सुबह हुई इस घटना से इलाके में तनाव की स्थिति बनी, जिसे पुलिस ने नियंत्रण में लिया। मृतक की पहचान कृष्ण कुमार, उम्र 50 वर्ष, के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अरिया गांव में रामलीला समिति और कुछ ग्रामीणों के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था।

महेशपुर मंडप गांव में 45 वर्षीय व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर के आलापुर थाना क्षेत्र के महेशपुर मंडप गांव में रविवार सुबह 45 वर्षीय जय प्रकाश निषाद का शव पेड़ से लटका मिला। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की गहन जांच शुरू कर दी। जय प्रकाश निषाद 45 वर्ष के थे और महेशपुर मंडप गांव के निवासी थे। वह गांव के बाहर स्थित तालाब की रखवाली का काम करते थे।

अर्दली रूम में विवेचनाओं की हुई गहन समीक्षा

अम्बेडकरनगर। शनिवार देर शाम जनपद अम्बेडकरनगर के सर्किल जलालपुर अंतर्गत थाना जलालपुर परिसर में अर्दली रूम की कार्यवाही आयोजित की गई। अर्दली रूम की अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव ने की। इस दौरान सर्किल जलालपुर के अंतर्गत आने वाले सभी थानों के उप निरीक्षक उपस्थित रहे।

वन सुरक्षा के नाम पर अनियमितता

पेड़ों के चारों ओर बनाए जा रहे गैरों में घटिया सामग्री का उपयोग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर जनपद के भीटी क्षेत्र में वन विभाग द्वारा कराए जा रहे वृक्ष सुरक्षा कार्यों में गंभीर अनियमितता सामने आई है। पेड़ों की सुरक्षा के उद्देश्य से बनाए जा रहे गैरों के निर्माण में निर्धारित मानकों की अनदेखी की जा रही है। निर्माण कार्य में पीली ईंट और अधिक मात्रा में बालू का प्रयोग किए जाने से गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय स्तर पर चल रहे इन कार्यों को लेकर लोगों में असंतोष देखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पेड़ों के चारों ओर बनाए जा रहे गैर देखने में ही कमजोर प्रतीत हो रहे हैं और इनमें टिकाऊ निर्माण के कोई लक्षण नजर नहीं आते। वन सुरक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में इस प्रकार की लापरवाही को गंभीर माना जा रहा है। जानकारों के अनुसार शासन द्वारा वन सुरक्षा कार्यों के लिए पक्की और मजबूत निर्माण सामग्री के उपयोग का प्रावधान है, ताकि गैर लंबे समय तक टिक सकें और पेड़ों को वास्तविक सुरक्षा मिल सके। इसके बावजूद भीटी क्षेत्र में नियमों को दरकिनार कर पीली ईंट और बालू का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि पीली ईंट से बने गैर नमी और बारिश के प्रभाव से जल्दी कमजोर हो जाते हैं।

आफरेसिस तकनीक से होंगे सिंगल डोनर प्लेटलेट, गंभीर मरीजों को मिलेगा लाभ

महामाया मेडिकल कॉलेज में जंबो प्लेटलेट सुविधा शुरू करने का निर्णय

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, टांडा में मरीजों को उन्नत रक्त सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में अहम पहल की गई है। कॉलेज में आयोजित रक्त संचरण समिति की बैठक में जंबो प्लेटलेट (सिंगल डोनर प्लेटलेट) सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया गया। बैठक कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ मुकेश यादव की अध्यक्षता में हुई, जबकि संचालन रक्तकोष प्रभारी डॉ मनोज कुमार गुप्ता ने किया। जंबो प्लेटलेट सुविधा को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए विशेषज्ञ टेक्नीशियन की तैनाती किए जाने का भी निर्णय लिया गया। इससे प्रक्रिया की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। अधिकारियों के अनुसार यह व्यवस्था मेडिकल कॉलेज के रक्तकोष को तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाएगी। जंबो प्लेटलेट सुविधा विशेष रूप से डेंगू, कैंसर, ल्यूकेमिया और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए उपयोगी मानी जा रही है। सिंगल डोनर प्लेटलेट मिलने से मरीजों को बार-बार कई यूनिट प्लेटलेट चढ़ाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बैठक में रक्तकोष में रक्त और उसके घटकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रक्तदान अभियानों और जागरूकता कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। बड़े स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित करने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

रक्त संचरण समिति की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

बैठक में एसडीएम टांडा डॉ शशि शेखर, डॉ मुकेश राना, डॉ राजेश यादव, डॉ अमित गुप्ता, डॉ प्रिया, युवान संस्था के प्रवीण गुप्ता और पंख संस्था के काशिफ सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने रक्तकोष से जुड़ी वर्तमान व्यवस्थाओं और भविष्य की जरूरतों पर विचार-विमर्श किया।

जंबो प्लेटलेट निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आफरेसिस तकनीक के माध्यम से जंबो प्लेटलेट यानी सिंगल डोनर प्लेटलेट का निर्माण शुरू किया जाएगा। इस प्रक्रिया में एक ही डोनर से कई सामान्य यूनिट्स के बराबर प्लेटलेट प्राप्त किए जा सकते हैं। इससे जिले के उन मरीजों को विशेष लाभ मिलेगा, जिन्हें बार-बार प्लेटलेट चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है या जिनका प्लेटलेट काउंट अत्यधिक कम हो जाता है।

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के गठन का प्रस्ताव

बैठक में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के गठन पर भी सहमति बनी। इस विभाग के गठन से रक्त और उसके घटकों से संबंधित सेवाओं को एक सुव्यवस्थित ढांचे के तहत संचालित किया जाएगा। साथ ही रक्तकोष में ब्लड ट्रांसफ्यूजन टेक्नीशियन का कोर्स शुरू करने का निर्णय भी लिया गया, जिससे प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध हो सके। जिससे उपचार प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सकेगी।

जहांगीरगंज ब्लॉक प्रमुख चुनाव: नए चेहरों की एंट्री से मुकाबला हुआ दिलचस्प

दुर्गेश प्रताप सिंह ने ठोंकी दावेदारी, जनसंपर्क अभियान तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

जहांगीरगंज क्षेत्र पंचायत प्रमुख पद को लेकर सियासी सरगर्मी तेज होती नजर आ रही है। आगामी ब्लॉक प्रमुख चुनाव में इस बार मुकाबला रोचक होने के आसार हैं। पुराने दावेदारों के साथ-साथ कई नए और चर्चित चेहरे भी मैदान में उतरने की तैयारी कर चुके हैं, जिससे चुनावी समीकरण लगातार बदल रहे हैं। इसी क्रम में राजेसुल्तानपुर क्षेत्र के राजेपुर गांव के मूल निवासी दुर्गेश प्रताप सिंह ने जहांगीरगंज ब्लॉक प्रमुख पद के लिए औपचारिक रूप से अपनी दावेदारी पेश कर दी है। उन्होंने सघन जनसंपर्क अभियान शुरू करते हुए क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्रामीणों से सहयोग व समर्थन की अपील तेज कर दी है।

गांव-गांव संपर्क, प्रचार में दिख रही धार

चुनावी तैयारी के तहत दुर्गेश प्रताप सिंह ने क्षेत्र में बैनर, पोस्टर और होर्डिंग के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इसके साथ ही वे गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों से सीधे संवाद कर रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जा रहा है। जहांगीरगंज क्षेत्र भ्रमण के दौरान हुई संक्षिप्त बातचीत में दुर्गेश प्रताप सिंह ने अपनी भावी योजनाओं का खाका भी साझा किया।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन लेखपालों की तैनाती को लेकर कई बार तहसील प्रशासन को प्रार्थना-पत्र दिए गए, लेकिन संबंधित लेखपालों को हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि तहसील स्तर पर प्रभाव और दबाव के चलते गृह ब्लॉक तैनाती को बनाए रखा जा रहा है। प्रार्थना-पत्र में यह भी कहा गया है कि घर के बगल तैनाती से लेखपालों का स्थानीय स्तर पर प्रभाव बढ़ता है, जिससे पारदर्शिता प्रभावित होती है।

प्रभारी मंत्री ने ग्रामीण विकास और मतदाता सुरक्षा पर दिया जोर

प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने की बैठक और प्रेस वार्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले के प्रभारी, खेल-कूद एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने न्यू सर्किट हाउस में रविवार को जिला प्रभारी पदम सेन चौधरी और भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी के साथ बैठक और प्रेस वार्ता आयोजित की। बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को आगामी योजनाओं और चुनावी तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रभारी मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत योजना और जी राम योजना का उद्देश्य प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि ग्राम्य विकास के जरिए स्थाई ढांचे विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब गड्ढा खोदने और भरने की पारंपरिक गतिविधियों के बजाय रेन वाटर हार्वेस्टिंग, चेक डैम, सड़क, नाली, खेल मैदान, ओपन जिम, मंडी निर्माण और बड़ी पंचायतों में मॉल निर्माण जैसे स्थायी कार्य कराए जाएंगे। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह अधिनियम भारत की परिकल्पना को साकार करने में सहायक होगा। बैठक में प्रभारी मंत्री ने चुनावी तैयारी और मतदाता सुरक्षा पर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि एस आई आर के तहत ए एस डी डी कटेगरी के कटे मतदाताओं की जांच में तेजी लानी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि योग्य मतदाता किसी भी स्थिति में मतदाता सूची से बाहर नहीं होने पाए और गलत नाम सूची में शामिल न हो।

अयोध्या बैठक के भव्य स्वागत की रूपरेखा तैयार

बैठक में यह भी चर्चा हुई कि नव निर्वाचित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के 12 जनवरी को अवध क्षेत्र की बैठक में अयोध्या आगमन पर जनपद की तरफ से भव्य दिव्य स्वागत की रूपरेखा अंतिम रूप दे दी गई है। जिला प्रभारी पदम सेन चौधरी और भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने कार्यकर्ताओं से संगठन द्वारा निर्धारित कार्यों और कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पूरा करने का आवाहन किया।

कार्यक्रम: अकबरपुर विधानसभा के बूथों का जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

विशेष पुनरीक्षण अभियान: जिले के सभी बूथों पर ड्राफ्ट मतदाता सूची का पाठन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर जनपद में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत रविवार को सभी मतदान केंद्रों पर ड्राफ्ट मतदाता सूची का सार्वजनिक पाठन किया गया। बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा अपने-अपने बूथों पर उपस्थित मतदाताओं और बूथ लेवल एजेंटों के समक्ष मतदाता सूची पढ़कर सुनाई गई, निरीक्षण के दौरान उन्होंने बी.एन. इंटर कॉलेज स्थित बूथ संख्या 93, 94, 95, 96, 97, 98 और 99 पर पहुंचकर मतदाता सूची पाठन की प्रक्रिया को मौके पर देखा।

06 फरवरी 2026 तक दावे- आपत्तियों का समय

निर्वाचन आयोग द्वारा दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 06 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस अवधि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिले भर में एक साथ चला अभियान

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष पुनरीक्षण के तहत जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर एक साथ ड्राफ्ट मतदाता सूची का पाठन किया जा रहा है। ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे और अपात्र नामों को समय रहते हटाया जा सके।

मतदाताओं से नाम जांचने की अपील

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम, आयु, पता और अन्य विवरण अवश्य जांच लें।

बीएलओ की कार्यप्रणाली का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथ लेवल अधिकारियों से मतदाता सूची पढ़ने की प्रक्रिया, मतदाताओं की उपस्थिति और प्राप्त हो रही आपत्तियों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने यह भी देखा कि पाठन कार्य जनसामान्य के लिए सुगम और पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है या नहीं। बूथों पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ से फॉर्म 6, 7 और 8 की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि उनके पास नाम जोड़ने, नाम हटाने और विवरण संशोधन से संबंधित सभी आवश्यक फॉर्म पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं, जिससे मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। तो उसे समय रहते ठीक कराया जा सकता है।

मनरेगा बचाओ अभियान से पहले कांग्रेस नेताओं का हाउस अरेस्ट

एक दिवसीय उपवास से पहले रात में पुलिस की कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर में मनरेगा बचाओ अभियान के तहत प्रस्तावित एक दिवसीय उपवास और प्रतीकात्मक विरोध से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस कार्रवाई सामने आई है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर 11 जनवरी को होने वाले इस कार्यक्रम से पहले ही 10 जनवरी की देर रात से जिले में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट किया गया, जिससे राजनीतिक माहौल गरमा गया है। जानकारी के अनुसार 10 जनवरी की रात करीब 11 बजे से जिला पुलिस ने कांग्रेस नेताओं के घरों पर पहुंचकर उन्हें बाहर निकलने से रोक दिया। सबसे पहले जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अवधेश कुमार मिश्र उर्फ बब्लू को हाउस अरेस्ट किया गया। इसके बाद रात 12 बजकर 15 मिनट पर जिला कोषाध्यक्ष रेहान जैदी और 1 बजकर 50 मिनट पर जिला उपाध्यक्ष डॉ सतीश चंद्र प्रजापति को उनके आवास पर ही नजरबंद कर दिया गया। पुलिस कार्रवाई में गुलाम रसूल उर्फ छोटू, मूलचंद जायसवाल, शहबाज गांधी और कुलदीप उपाध्याय को भी हाउस अरेस्ट किया गया। इसके साथ ही युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हेमंत यादव, मिसबाहुद्दीन अंसारी और अकील अहमद मंसूरी समेत जनपद के अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनके घरों में ही रोक दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से संगठन के स्तर पर नाराजगी देखी गई। कांग्रेस द्वारा मनरेगा बचाओ अभियान के तहत 11 जनवरी को एक दिवसीय उपवास और शांतिपूर्ण प्रतीकात्मक विरोध का कार्यक्रम तय किया गया था। जिला स्तर पर इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई थीं और कार्यकर्ताओं को निर्धारित स्थानों पर पहुंचने का आह्वान किया गया था। इससे पहले ही नेताओं को नजरबंद किए जाने से कार्यक्रम प्रभावित हुआ। हाउस अरेस्ट की कार्रवाई को लेकर जिले में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सम्पादकीय

विश्व को खतरे में डालते ट्रंप

नए वर्ष का आगमन होते ही एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में अमेरिकी सेना वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत उठाकर अमेरिका ले आई। विश्व को हैरान करने वाली इस घटना को पहले तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति के कथित संरक्षण में चल रहे नारकोटिक्स आतंक से जोड़ा, लेकिन शीघ्र ही यह स्पष्ट हो गया कि इस हमले का मूल उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडारों पर कब्जा करना था। वेनेजुएला में कच्चे तेल के सबसे अधिक भंडार हैं। ट्रंप ने जिस तरह यह कहा कि अब वेनेजुएला के तेल को अमेरिका बेचेगा और वहां की अंतरिम राष्ट्रपति को उनका सहयोग करना होगा, उससे साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति दादागीरी पर उतर आए हैं। वे संयुक्त राष्ट्र चार्टर के साथ अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसकी कल्पना करना कठिन था कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाला अमेरिका किसी देश के राष्ट्रपति का अपहरण कर लेगा, लेकिन ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने ऐसा ही किया। यह चोरी और सीनाजोरी ही है। अमेरिका ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से उसने अपने संकीर्ण स्वार्थों को पूरा करने के लिए अनेक देशों पर हमले किए अथवा वहां छल-छद्म से तख्तापलट कराया। इस कोशिश में उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वह सबक सीखने को तैयार नहीं। अमेरिका को वियतनाम में मात मिली। इसके बाद अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में भी वह वैसा कुछ नहीं कर सका, जिसका दावा कर उसने इन देशों पर हमला किया था। वह इन देशों में कुल मिलाकर नाकाम ही रहा। उसकी इस नाकामी का दुष्परिणाम इन देशों ने अस्थिरता और अशांति के रूप में देखा। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की, लेकिन कई देश ऐसे भी रहे, जिन्होंने ट्रंप की सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया अथवा जो मौन बने रहे। चूंकि अमेरिका एक बड़ी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति है, इसलिए कोई भी देश एक सीमा से अधिक उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं। ट्रंप इसी का लाभ उठाकर मनमानी कर रहे हैं। उनके बेलगाम होने का एक कारण यह है कि उसे चुनौती दे सकने वाला रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है। करीब चार साल पहले यूक्रेन पर रूस का हमला उसकी मनमानी ही था। लगता है उसकी इस हरकत ने ट्रंप को भी मनमानी करने का मौका दिया। अब वे बेलगाम हैं। वेनेजुएला पर हमले के बाद वे डेनमार्क के स्वायत्तशासी क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। ट्रंप इस बहाने ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहते हैं कि उस पर रूस और चीन की निगाह है। उनका कहना है कि अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए। ग्रीनलैंड में अकूत प्राकृतिक संपदा है, जिसका अभी तक दोहन नहीं किया गया है। अमेरिका के अंदर यह विचार पहले भी रहा है कि जिस तरह अलास्का उसके नियंत्रण में आया, उसी तरह ग्रीनलैंड भी आए। ट्रंप उस पर सैन्य कार्रवाई के जरिये कब्जा करने के अलावा उसे खरीदने की बात भी कह रहे हैं। हालांकि वहां के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे बेपरवाह हैं। उन्हें डेनमार्क के साथ यूरोपीय देशों की नाराजगी की भी चिंता नहीं, जबकि वे नाटो के भविष्य को खतरे में बता रहे हैं। ट्रंप किस तरह अहंकार से भरे हुए हैं, इसका पता उनके इस कथन से चलता है कि उनकी आक्रामकता को सिर्फ वही रोक सकते हैं और अमेरिकी हितों के आगे किसी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का कोई महत्व नहीं। यह तानाशाही वाला रवैया है। ट्रंप आक्रामक रणनीति पर इसलिए चल रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है। उसे पटरी पर लाने के लिए उन्होंने अमेरिका आयात होने वाली वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ा दिया है। ट्रंप ने हाल में उस विधेयक को सहमति दी, जो उन्हें उन देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की अनुमति देगा, जो रूस से तेल खरीदते हैं। इन देशों में चीन, भारत और ब्राजील प्रमुख हैं। ट्रंप का मानना है कि रूस से तेल खरीदने वाले देश उसे यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में मदद कर रहे हैं। यदि ट्रंप रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर सचमुच 500 प्रतिशत टैरिफ लगाते हैं, तो इससे भारत समेत अन्य देशों की कठिनाई बढ़ जाएगी।

आग भाजपा नेताओं के बच्चों में क्यों नहीं

अंग्रेजी में कहावत है "चैरिटी बिगिन्स ऐट होम"

यानी दीपक पहले घर में जलाया जाता है उसके बाद मंदिर में।

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

> मेरे विचार से राष्ट्र-वाद का अर्थ केवल झंडा उठाना या नारा लगाना नहीं है ना ही मेडिकल कॉलेज बंद करवाना है बल्कि सच्चा राष्ट्रवाद वह है जो युवाओं को रोजगार देता है, शिक्षा को सुलभ बनाता है।

तो जैसा की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का कहना है कि हमें बदला लेना होगा क्योंकि उन्होंने हमारी सभ्यता को नष्ट किया, मंदिर को लूटा और गांव को जलाया गया। लेकिन हम सब देखते रहे उन्होंने आगे कहा कि युवाओं में आग होनी चाहिए तो मैं कहता हूं कि यह आग भाजपा नेताओं के बच्चों में क्यों नहीं? सबसे पहले तो उनमें होनी चाहिए लेकिन वह या तो सेफ साइड में है या विदेश में है। तो क्या राष्ट्रवाद का पालन और कर्तव्य सिर्फ बेरोजगार युवाओं के लिए ही है। क्योंकि देखने में तो यही आ रहा है की सबसे ज्यादा राष्ट्रवाद का नारा वही नवयुवक लग रहे हैं जिनकी जेब तो खाली है ही साथ में ही उनके पास रोजगार भी नहीं है। वैसे जहां तक मैं समझ रहा हूं उसके हिसाब से राष्ट्रवाद शब्द जितना ऊंचा और भावनात्मक है उतना ही आज के भारत में विवादित भी है । प्रश्न यह नहीं है कि राष्ट्रवाद होना चाहिए या नहीं सवाल यह है कि राष्ट्रवाद का बोझ किसके कंधों पर डाला जा रहा है। क्या यह महज संयोग ही है की राष्ट्रभक्ति कर्तव्य से और बलिदान की सबसे अधिक अपेक्षाएं आज बेरोजगार और आर्थिक रूप से असुरक्षित युवाओं से ही की जा रही है। आज का राष्ट्रवाद भाषणों में तेज है पोस्टर में चमकदार है और सोशल मीडिया पर उग्र है लेकिन नीतियों में कितना न्याय पूर्ण है इस पर बहस की जानी चाहिए। क्योंकि भारत का युवा आज दोहरी मार झेल रहा है एक ओर डिग्रियां तो है लेकिन नौकरियां नहीं, सरकारी भर्तियां सीमित है निजी क्षेत्र में अस्थिरता और आउटसोर्सिंग ने युवाओं के भविष्य को धुंधला कर दिया है। ऐसे में जब कोई युवा रोजगार शिक्षा और सम्मानजनक जीवन की मांग करता है तो उसे अक्सर यह कहकर चुप कर दिया जाता है कि देश के बारे में सोचो, अपने बारे में नहीं। यह कितना बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजनेता और अधिकारियों के बच्चे अपने बारे में सोच लेकिन आम आदमी का बच्चा देश के बारे में सोचें, राष्ट्र के बारे में सोचे, सनातन के बारे में सोच और हिंदुत्व के बारे में सोच। यहां एक अजीब तरह का सवाल दिलों दिमाग में उठता है कि क्या राष्ट्रवाद का अर्थ यह है कि युवा बेरोजगारी महंगाई और असमानता को चुपचाप सह ले। यहां यह जान लेना आवश्यक है कि संविधान ने नागरिकों को कर्तव्य ही नहीं अधिकार भी दिए हैं। लेकिन आज का विमर्श अजीब संतुलनहीन है। कर्तव्यों की लंबी सूची पढ़ाई जाती है और अधिकारों की बात करने वाला या सवाल करने वाला अथवा सरकार पर टिप्पणी करने वाला देशद्रोही, सनातन और हिंदुत्व विरोधी नेगेटिव सोच वाला या टुकड़े-टुकड़े गैंग का सदस्य करार दिया जाता है। बेरोजगार युवा जब परीक्षा पत्र लीक पर सवाल करता है जब वह भर्ती प्रक्रिया पर पारदर्शिता की मांग करता है या जब वह सड़कों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करता है तो उसे राष्ट्रहित में चुप कर दिया जाता है। मैं समझ ही नहीं पाता हूं कि क्या लोकतंत्र में चुप रहना ही राष्ट्र हित है, राष्ट्रवाद है। मैं पूछता हूं कि राष्ट्रवादी परीक्षा हमेशा कमजोर वर्गों से क्यों ली जाती है? किसी नेता के बेटे से, मुख्यमंत्री के बेटे से, चीफ सेक्रेटरी और कैबिनेट सेक्रेटरी के बेटे से, जजों के बेटों से, बड़े वकील के बेटों से तथा बड़े कॉर्पोरेट घरानो से यह क्यो नहीं पूछा जाता कि वह कितनी देशभक्ति निभा रहे हैं? जो बड़े लोग अपने बच्चों को विदेश में पढ़ा रहे हैं, विदेश में सेटल कर रहे हैं उनसे राष्ट्रवाद के बारे में कभी कुछ नहीं पूछा जाता है क्यों? मैं पूछता हूं कि अगर राष्ट्रवाद समान है तो उसका पालन भी सभी को समान रूप से ही क्यों नहीं करना चाहिए? इतना ही नहीं अगर राष्ट्रवाद केवल भावनात्मक उन्माद बन जाए तो नीतिगत असफलताओं पर पर्दा डालने का औजार बने तो वह राष्ट्र को मजबूत नहीं कमजोर करता है। सीमा, बलिदान, गौरव और इतिहास जैसे नारों का यकीनन अपना महत्व है लेकिन क्या यह नारे पेट भर सकते हैं? परीक्षा की फीस कम कर सकते हैं? सड़ चूके सिस्टम की जवाबदेही तय कर सकते हैं? भ्रष्टाचार खत्म कर सकते हैं? अत्याचार खत्म कर सकते हैं? शायद नहीं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या आज का युवा राष्ट्र निर्माण का सहभागी है या केवल राजनीतिक साधन? अगर वह सहभागी है तो उसकी बात सुनी जानी चाहिए और अगर वह साधन मात्र है तो उससे केवल नारे लगवाए जाएंगे। लेकिन सवाल पूछने पर दुत्कारा जायेगा। असहमति को सम्मान देता है और सत्ता से सवाल पूछने को देशद्रोह नहीं लोकतंत्र की आत्मा मानता है। हमें यह ध्रुव सत्य स्वीकार करना ही होगा कि देश मजबूत नारों से नहीं बनता बल्कि न्यायपूर्ण अवसरों और सम्मानजनक जीवन से बनता है। और यही बात आज सबसे ज्यादा बेरोजगार युवा पूछ रहा है। क्या यह सवाल पूछना भी राष्ट्र विरोधी है? इतिहास बताता है कि जब भी युवाओं को सवाल पूछने से रोका गया, भावनात्मक नारो में उलझाया गया और वास्तविक अवसरों से वंचित किया गया तो समाज में या तो विस्फोट हुआ या पलायन। क्योंकि बेरोजगार युवाओं को भावनात्मक रूप से मोबलाइज करना आसान होता है। सिर्फ नारा देने की जरूरत होती है जैसे देश खतरे में है, सनातन खतरे में है, हिंदुत्व खतरे में है, संस्कृति की रक्षा करनी है, इतिहास का बदला लेना है तथा गुलामी के प्रतीको को समाप्त करना है। इन नारों के बीच असली सवाल हमेशा दब जाएंगे या दबा दिए जाएंगे और अगर कुछ ना मिला तो डर का वातावरण पैदा कर दिया जाएगा। कहने का मतलब यह है कि जब सवाल बढ़ते हैं तो राष्ट्रवाद को ढाल बना लिया जाता है और बेरोजगार नवजवान इसी राष्ट्रवाद की ढाल को अपना भविष्य समझ बैठता है।

खुद अमेरिका में ...

इष्ट देव सांकृत्यायन

विश्वशांति के लिए खतरा मत्स्य न्याय

बात बेहद कड़वी है, लेकिन वस्तुस्थिति को सरल शब्दों में समझाने का इससे बेहतर तरीका नहीं है। भगवान न करें, लेकिन मान लीजिए कि आपके पास बहुत उपजाऊ खेत हों और उस पर किसी माफिया की नजर हो। वह माफिया कल अपना गिरोह लेकर आए और आपका अपहरण कर ले जाए। साथ नाचने के लिए सौ-दो सौ भाड़े के नचनिए लेकर आए और आपके अपहरण के बाद उन्हें आपके दरवाजे पर नचाने लगे, या आपके ही परिवार के किसी बिगड़े हुए गजेड़ी बच्चे को सुलफा सुंघाकर नचाने लग जाए, तो क्या इससे ये सिद्ध हो जाता है कि आपके अपहरण और आपके खेतों पर उस माफिया के कब्जे से आपके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है? बिलकुल यही वेनेजुएला के साथ हो रहा है। दुर्भाग्य यह कि नरेंद्र मोदी के नाम पर दशकों से भारत के अहित की कामना में लगे हुए चुटकी भर निर्लज्ज लालची तत्त्व इन भाड़े के नचनियों को उदाहरण बना रहे हैं जबकि सच यह है कि ट्रंप जैसे बड़बोले तानाशाह के नेतृत्व में संयुक्त राज्य अमेरिका न केवल पूरे उत्तर एवं दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप बल्कि विश्वशांति के लिए खतरा बन चुका है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्य यह है कि पूरा यूरोपीय यूनियन लंबे समय से अमेरिका का पिछलग्गू बना हुआ है। खुद अमेरिका में जिस बात का विरोध है, यूरोप के कई राजनेता उसका समर्थन कर रहे हैं। शब्दों के हेरफेर की बात छोड़ दें यूरोप के लगभग सभी राष्ट्र प्रमुखों की बात एक ही जैसी है। अगर एक बार मान भी लें कि निकोलस मादुरो तनाशाह हैं और उनका शासन लोकतांत्रिक नहीं था, तो क्या इससे ट्रंप को वेनेजुएला की संप्रभुता के सत्यानाश का लाइसेंस मिल जाता है? वेनेजुएला से कई हजार गुना ज्यादा तानाशाही चीन, उत्तर कोरिया, कतर और सऊदी अरब में है। उस ओर कभी ट्रंप ने रुख क्यों नहीं किया? अभी बहुत दिन नहीं गुजरे जब पूरे

संयुक्त राज्य अमेरिका में फिफ्टी फिफ्टी वन (50501) यानी 'पचास राज्य एक आंदोलन' हुआ था। यह आंदोलन न केवल डोनाल्ड ट्रंप की तानाशाही बल्कि उनकी अयोग्यता एवं अक्षमता के भी खिलाफ था और यह कहीं से भी प्रायोजित नहीं था। अप्रैल में हुए इस आंदोलन के बाद अक्टूबर में एक और आंदोलन 'नो किंग्स' भी हुआ। इसके स्वर भी वही थे और यह भी एक स्वतःस्फूर्त एवं सजीव जनांदोलन था। अमेरिका के सभी प्रमुख शहरों में आज ही बड़े विरोध प्रदर्शन हुए हैं, वेनेजुएला पर की गई ट्रंप की इस तानाशाही के खिलाफ। केवल एक साल के भीतर ट्रंप के खिलाफ तीन बहुत बड़े प्रदर्शन हो चुके। ये तीनों प्रदर्शन स्वतःस्फूर्त और सजीव हैं। इस आधार पर अगर ट्रंप में जरा सी भी नैतिकता है तो उन्हें अपने पद से त्यागपत्र देकर राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए। क्या वे ऐसा करेंगे? या फिर लोकतंत्र का पाखंड ही करते रहेंगे? दूसरा आरोप ट्रंप ने यह लगाया कि वेनेजुएला में नशीले द्रव्यों का बड़ा कारोबार है। क्या यह केवल वेनेजुएला में है? ट्रंप की नाक के नीचे शिकागो से बड़ा कोई अड्डा है क्या नशे के कारोबार का? द अर्गना-इजेशन ऑफ अमेरिकन स्टेट्स के अनुसार 2013 में 34 बिलियन डॉलर का केवल कोकेन बेचा गया था अमेरिका में। उनकी ऑफिस ऑफ द नेशनल ड्रग कंट्रोल पॉलिसी की रिपोर्ट के अनुसार कुल मिलाकर 100 बिलियन डॉलर के अवैध ड्रग उस साल पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में बेचे गए थे। यह आँकड़ा अब कई गुना हो चुका है। 2023 में इल्लीगल ड्रग ट्रैफिकिंग से जुड़े कुल 18939 बड़े केस दर्ज किए गए थे। ये नशीले द्रव्य बेचने के धंधे में ट्रंप के देश में आठ लाख से ज्यादा अवयस्क शामिल पाए गए। तो क्या इसके बाद भी ट्रंप के पद पर बने रहने का कोई आधार बचता है? क्या इस आधार पर दूसरे किसी ताकतवर को देश को चाहिए कि वह डोनाल्ड और मेलानिया ट्रंप को उठा ले जाए? अगर नहीं तो वेनेजुएला पर की गई इस बर्बर कार्रवाई के लिए यह तर्क सही कैसे हो सकता है? इन कुतर्कों के साथ किसी देश की संप्रभुता का सत्यानाश करना, उसके राष्ट्रपति एवं उनकी पत्नी को बंधक बनाना और महिला उपराष्ट्रपति को धमकी देने जैसे कुकृत्य किसी माफिया डॉन के तो हो सकते हैं, राजनेता के नहीं। ये कुकृत्य बताते हैं कि ट्रंप का विश्वास मत्स्य न्याय में है। चूँकि ट्रंप के पास लाठी है, इसलिए दुनिया की हर भैंस ट्रंप की है। सच पूछिए तो ट्रंप का सिद्धांत विश्वशांति के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है। अब अगर दुनिया विश्वयुद्ध की ओर बढ़ती है तो उसके लिए जिम्मेदार डोनाल्ड ट्रंप होंगे। लंबे समय तक खुफिया एजेंसियों से जुड़े रह चुके मेरे एक अग्रज मित्र कहते हैं कि इस तरह के हमले संकेत देते हैं कि संबंधित राजनेता का विश्वास राजनयिक चैनल से खत्म हो चुका है। ट्रंप ने कोई पहली बार ऐसा नहीं किया है। अपनी ताकत की धौंस वे पहले भी कई बार दिखा चुके हैं। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने उत्तर कोरिया के साथ ऐसा ही कुछ किया था। हाल में रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से मुलाकात में भी उन्होंने अपनी ताकत के धृष्ट प्रदर्शन की कोशिश की थी। यद्यपि रूस की ओर से तुरंत इसका अनुकूल उत्तर पाकर वे थम गए थे।

सरकार के स्तर ...

जितेन्द्र शर्मा

सरकार ही सौंपे पुलिस को एक्शन प्लान

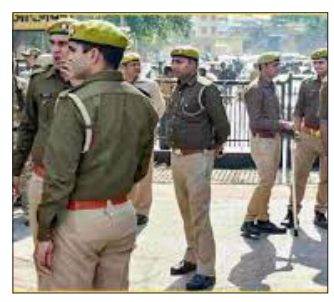

आईजी-एसपी कांफ्रेंस में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश पुलिस को कार्यशैली का आईना दिखाया है। सीएम ने साफ तौर पर पुलिस का सूचना तंत्र कमजोर होने की बात कही तथा जोड़ा कि अन्य प्रदेशों के पुलिस राजस्थान में आकर कार्रवाई कर जाती है और हमें भनक तक नहीं लगती। उन्होंने गुजरात एटीएस और मुम्बई पुलिस की प्रदेश में की गई कार्रवाई को बतौर उदाहरण कांफ्रेंस में उद्धृत किया। राजस्थान पुलिस अंक दौड़ में आभासी विजयश्री पर भले कितनी ही पीठ थपथपाए लेकिन कार्यशैलीगत कड़वा सच सभी जानते हैं। ऐसे भी मामले सामने आए कि पीड़ित कई दिन पहले से अपने साथ वारदात होने की आशंका जताते रहे और पुलिस निशंक, निस्तेज बैठी रही। अपराधी वारदात को अंजाम देने में सफल हो जाते हैं और पुलिसिया शैथिल्य की कीमत पीड़ित को जान गंवाकर चुकानी पड़ती है। बाद में रह जाता है केवल अनुसंधान और कोर्ट-कचहरी के चक्कर, जिसके नतीजों को आमजन भली भांति जानता है। सुनवाई न होने की शिकायतें तो आम हैं। लगता नहीं कि सूचना पर प्रो-एक्टिव होना पुलिसिया स्वभाव का अंग है भी ! सीएम शर्मा ने ऐसी कार्यशैली की अपेक्षा जताई कि देशभर में राजस्थान पुलिस का इकबाल कायम हो। अपराधी प्रदेश में आने से डरें। और, आ जाएं तो वापस जा न पाएं। सवाल ये कि ऐसी कार्यसंस्कृति विकसित कैसे हो और इसे करे कौन? सिर्फ पुलिस से स्व-नियमन के आधार पर ऐसी अपेक्षा

पाल लेना खुशफहमी ही होगी। इसमें कोई दोराय नहीं कि अपराध होने पर हाईप्रोफाइल मामलों में अब उत्तर प्रदेश की तर्ज पर राजस्थान में भी अपराधी गिरफ्तारी के बाद मय प्लास्टर लंगड़ाते चल रहे हैं। इस लिहाज से तो सख्ती दिखने लगी है लेकिन प्रो-एक्टिव जैसी उम्मीदें अब भी धूमिल हैं। पुलिस कांफ्रेंस में तो सीएम ने कमजोर सूचना तंत्र पर ही फोकस किया और कुछ सुझाव भी दिए लेकिन, सूचना पर सक्रिय होना पुलिस की आदत में नहीं, इस पर भी सिस्टम को मंथन करना होगा। सरकार के स्तर से भी एक्शन प्लान पुलिस महकमे को सौंपा जाना चाहिए। इसमें सूचना आने पर सक्रियता अनिवार्य जैसे तत्वों पर फोकस हो। केवल मुख्यमंत्री स्तर से भाषण कोई ठोस परिणाम ला पाएगा, इसकी गुंजाइश कम ही है। निचले स्तर पर लापरवाहीपूर्ण लीकेज रोकने होंगे। थाना स्तर तक पर्याप्त मॉनिटरिंग का मैकेनिज्म बनाना होगा। और, सूचना पर सक्रिय न होने के बाद अपराध घटित होने की दशा में जिम्मेदार पुलिसकर्मी पर अक्षम्य कठोर कार्रवाई भी करनी होगी।

जरा हटके

ईरान की मौजूदा ...

राजेश जैन

ईरानः सड़कों पर गुस्सा, सत्ता पर दबाव और भविष्य पर सवाल

ईरान इस समय अपने इतिहास के सबसे संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। राजधानी तेहरान से लेकर दूर-दराज़ के कुर्द इलाकों तक, सड़कों पर उतर आए लोगों का गुस्सा अब केवल नारेबाज़ी तक सीमित नहीं है। गोलीबारी, आगज़नी, मौतें और सख्त चेतावनियां...हर दिन हालात और गंभीर होते जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिर्फ तेहरान के छह अस्पतालों में 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है। इनमें से ज़्यादातर की मौत गोलियों से हुई है। सरकार का संदेश भी उतना ही कठोर है। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एक अधिकारी का बयान-"अपने बच्चों को प्रदर्शन से दूर रखें, वरना गोली लगे तो शिकायत मत करना"-साफ बताता है कि सत्ता अब नरमी के मूड में नहीं है। यह सिर्फ चेतावनी नहीं, बल्कि डर पैदा करने की रणनीति है। लेकिन सवाल यह है कि क्या डर अब भी काम करेगा या ईरान एक ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां लोगों के पास खोने को कुछ नहीं बचा। ईरान में गुस्से की जड़ें नई नहीं हैं। सालों से आर्थिक संकट, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध, बेरोज़गारी, महंगाई और सामाजिक पाबंदियां लोगों को भीतर ही भीतर उबाल रही थीं। अब वह उबाल सड़कों पर फूट पड़ा है। दिसंबर 2025 में ईरानी मुद्रा रियाल गिरकर, इतिहास के सबसे निचले स्तर, 1.45 मिलियन प्रति डॉलर तक पहुंच गई है। सिर्फ एक साल में रियाल की कीमत

लगभग आधी हो गई। महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। खाने-पीने की चीज़ें जहां 72 तो दवाइयां 50 प्रतिशत तक महंगी हो गई है। ऊपर से 2026 के बजट में 62 प्रतिशत टैक्स बढ़ाने का प्रस्ताव। यानी आम ईरानी के लिए ज़िंदगी अब सिर्फ गुज़ारा करने की जद्दोजहद बन गई है। युवाओं, खासकर जेन-जेड के लिए हालात और भी घुटन भरे हैं। पढ़ाई के बाद नौकरी नहीं, नौकरी के बाद ठीक-ठाक कमाई नहीं, और सामाजिक आज़ादी पर सख्त पहरा। ऐसे में विरोध स्वाभाविक था। शुरुआती दिनों में सरकार असमंजस में दिखी। खुद एंटी-राइट्स पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा बल भ्रम में हैं। किसी को नहीं पता कि आगे क्या होगा। लेकिन जैसे ही प्रदर्शन मध्यमवर्गीय इलाकों तक पहुंचे, सरकार का रुख बदल गया। इंटरनेट और फोन सेवाएं लगभग बंद, सड़कों पर भारी सुरक्षाबल, रात में गोलीबारी, मस्जिदों और सरकारी इमारतों पर कार्रवाई हुई है। तेहरान की अल रसूल मस्जिद में आग लगने की घटना ने सरकार को और सख्त बना दिया। अब संदेश साफ है-कोई नरमी नहीं, सिर्फ ताकत दिखाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने खुली चेतावनी दी कि अगर ईरानी सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों को मारते हैं, तो ईरान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यहां तक कहा गया कि अमेरिका हमला भी कर सकता है। इस बयान के कुछ ही समय बाद सुप्रीम लीडर अली खामेनेई राष्ट्र के नाम आए। उनका लहजा चुनौती भरा था। इस्लामिक रिपब्लिक सैकड़ों हजारों लोगों के खून से बनी है। जो हमें नष्ट करना चाहते हैं, उनके सामने हम कभी नहीं झुकेंगे। खामेनेई का यह बयान सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि अपने ही लोगों के लिए भी एक सख्त संदेश था-सत्ता आसानी से नहीं बदलेगी। दिलचस्प बात यह है कि सरकार के भीतर भी एक राय नहीं है। राष्ट्रपति मसूद पजशकियान सार्वजनिक तौर पर नरम भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन कई मंत्री और सुरक्षा एजेंसियां सख्त कार्रवाई के पक्ष में हैं। सरकार का आरोप है कि अमेरिका और इज़राइल इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। यह तर्क नया नहीं है। ईरान में हर बड़े आंदोलन के पीछे विदेशी साज़िश का कार्ड खेला जाता रहा है। लेकिन सड़कों पर उतरे युवाओं का गुस्सा सिर्फ विदेश नीति से नहीं, रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जुड़ा है। इसी माहौल में एक पुराना नाम फिर से चर्चा में है-क्राउन प्रिंस रजा पहलवी। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद शाह का परिवार सत्ता से बाहर हुआ और पहलवी अमेरिका में निर्वासन में चले गए। अब, करीब 50 साल बाद, उन्होंने देश लौटने की तैयारी का ऐलान किया है। उनका संदेश भावनात्मक है- मैं अपनी राष्ट्रीय क्रांति की जीत के समय ईरान की महान जनता के बीच खड़ा रहूंगा। ईरान के कई प्रदर्शनकारी उन्हें एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में देख रहे हैं। युवाओं को लगता है कि पहलवी की वापसी से आर्थिक स्थिरता आएगी, दुनिया में ईरान की स्वीकार्यता बढ़ेगी और व्यक्तिगत आज़ादी मिलेगी हालांकि, यह भी सच है कि शाह के दौर की यादें सभी के लिए सुखद नहीं थीं। फिर भी मौजूदा हालात में कोई भी बदलाव बेहतर है, वाली सोच मज़बूत हो रही है। ईरान के कुर्द बहुल क्षेत्रों में प्रदर्शन और तीखे हैं। वहां के लोग पहले से ही खुद को हाशिये पर महसूस करते हैं। अब जब आर्थिक संकट और सख्त सुरक्षा कार्रवाई जुड़ गई है।

पुलिस कार्रवाई में कार्यकर्ता भी घायल, कमिश्नर सड़कों पर उतरकर स्थिति संभालने पहुंचे

एनएसयूआई अध्यक्ष को पुलिस ने सड़क पर गिरा कर गाड़ी में घसीटा

प्रदर्शन

- अजय राय 50 कार्यकर्ताओं के साथ टाउनहॉल चौराहे पर बैठ गए।
- एनएसयूआई अध्यक्ष वरुण चौधरी को धक्का देकर सड़क पर गिरा दिया।
- कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को पुलिस टूस-टूसकर गाड़ियों में भरा और ले गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। काशी में 'वीबी जी राम जी' बिल के विरोध में प्रदर्शन कर रहे

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ता प्रधानमंत्री जनसंपर्क कार्यालय घेरने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका, लेकिन कांग्रेसी जिद पर अड़े रहे। वे बैरिकेडिंग फांदने की कोशिश करने लगे। इस पर पुलिस से उनकी धक्का-मुक्की हो गई। पुलिसकर्मियों ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को सड़क पर घसीटा। NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी का कंधा पकड़कर पुलिसवालों ने धक्का दे दिया, वह गिर पड़े। इसके बाद बचने के लिए भागे, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़

अजय राय बोले- मनरेगा केवल सरकारी योजना नहीं

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा- मनरेगा केवल सरकारी योजना नहीं, संविधान से मिले काम के अधिकार की गारंटी है। आज मोदी-योगी सरकार जानबूझकर मनरेगा को कमजोर कर रही, जिससे गांवों में रोजगार खत्म हो। पलायन बढ़े और गरीब मजदूर अपने अधिकारों से वंचित हो जाएं। आज कांग्रेस का शांतिपूर्ण उपवास और गांधीवादी तरीका भी सरकार को असहज कर रहा। इसलिए नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस के जरिए डराने और घरों में बंद करने का प्रयास किया गया। यह सीधे-सीधे लोकतंत्र और संविधान पर हमला है।

लिया। पुलिस 10 गाड़ियों में 100 से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भरकर ले गई। हालात को देखते हुए पुलिस

एनएसयूआई कार्यकर्ता बोले- पुलिस का एक्शन शर्मनाक है

पुलिस ने NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी, नेशनल कोऑर्डिनेटर शांतनु सिंह और प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ को हिरासत में ले लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा- हमें किस लिए हिरासत में लिया गया है? यह बताया नहीं गया है, यह शर्मनाक है। NSUI प्रदेश अध्यक्ष का कॉलर पकड़कर जीप में बैठाया NSUI के नेशनल कोऑर्डिनेटर शांतनु सिंह और प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पटेल की पुलिस से नोकझोंक हुई। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने ऋषभ का कॉलर पकड़कर जीप में बैठा दिया।

कमिश्नर मोहित अग्रवाल खुद सड़क पर उतरे। उन्होंने पुलिसकर्मियों को आदेश दिया कि अगर कोई जबरदस्ती करे, तो उसके खिलाफ बल प्रयोग करें। इसके साथ ही पुलिस ने सड़क पर फ्लैग मार्च किया।

जगह-जगह बैरिकेडिंग कर दी गई। ड्रोन से भी निगरानी की गई। दरअसल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और छात्र संगठन NSUI ने आज अलग-अलग प्रदर्शन का ऐलान किया था। राय 45 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत मार्च निकालने वाले थे। सुबह पुलिस ने उनके आवास के बाहर बैरिकेडिंग कर दी। सुबह 10 बजे वह 50 कार्यकर्ताओं के साथ निकले, लेकिन टाउनहॉल चौराहे पर पुलिस ने उन्हें रोक लिया।

जिलाधिकारी ने हरगांव पंचायत का निरीक्षण

जनसुनवाई, सफाई, निर्माण और दाखिल-खारिज रजिस्टर की जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर ने आज आदर्श नगर पंचायत हरगांव का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। प्रतिदिन के जनसुनवाई रजिस्टर का अवलोकन करते हुए पाइप लाइन के संबंध में की शिकायत की शिकायतकर्ता से दूरभाष के माध्यम से वार्ता की। कार्यों के लम्बित होने पर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत हरगांव को फटकार लगाते हुए समय से कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिये तथा विद्युत से संबंधित की गयी शिकायत के शिकायतकर्ता से वार्ता की। आईजीआरएस के फीडबैक की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि वार्ड के अनुसार सफाई कमी की सूची नगर पंचायत के बाहर चस्पा की जाये। लिपिक कक्ष में पहुंचकर निर्माण पत्रावलियों का अवलोकन करते हुए दस्तावेज कम पाये जाने पर अधिशासी अधिकारी का स्पष्टीकरण एवं लिपिक पर अनुशासनिक कार्यवाही करने निर्देश दिये एवं निर्माण पत्रावली में जेई की निरीक्षण आख्या में कमियां पाये जाने पर जेई पर अनुशासनिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बंधन योजना की पत्रावलियों का अवलोकन किया एवं पेयजल योजना की जानकारी ली। जन्म प्रमाण-पत्र/मृत्यु प्रमाण-पत्र पटल को देखते हुए अधिक समय तक लम्बित न रखने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये।

फास्ट न्यूज

दूसरी मंजिल से गिरा डेढ़ साल का बच्चा, मौत

कानपुर। कानपुर के चौबेपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। घर की दूसरी मंजिल की छत पर खेल रहा डेढ़ साल का मासूम नीचे गिर गया। गंभीर हालत में उसे रामा मेडिकल कॉलेज मंधना ले जाया गया, जहां आईसीयू में इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

10 लाख लेकर डॉक्टर बनाने वाला गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज में STF ने डॉक्टर की फर्जी डिग्री बेचने वाले मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है। वह खुद भी फर्जी BAMS की डिग्री पर डॉक्टर बना था। एक डिग्री का 6-10 लाख रुपए तक लेता था। पुलिस ने मौके से 68 डिग्रियां बरामद की हैं। सभी डिग्रियां अलग-अलग राज्यों के विश्वविद्यालय की है। ये रैकेट करीब 5 साल से चल रहा था। इसके जरिए फर्जी मार्कशीट, डिग्री और प्रमाणपत्र बनाकर यूपी समेत कई राज्यों में लाखों रुपए की ठगी की गई। इसका सरगना मो. तारूक न सिर्फ फर्जी डिग्रियां बेच रहा था।

मां-दो बेटियों की लाश मिली

बहराइच। बहराइच में मां और दो मासूम बेटियों के शव तालाब में मिले हैं। महिला की 12 साल पहले शादी हुई थी। उसकी तीन बेटियां ही थीं। पिता का आरोप है कि बेटा नहीं होने पर ससुराल के लोग उसे ताने मारते थे। शनिवार देर रात में पुलिस ने तीनों शव तालाब से बरामद किए। यह मामला पयागपुर कस्बे का है। महिला ने बेटियों के साथ आत्महत्या की या हत्या हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

बिजली विभाग के बाबू बेड पर मृत मिले

रात में खाना खाकर सोए, सुबह उठे नहीं, दरवाजा तोड़कर निकाला, हार्टअटैक की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के गोविंद नगर में बिजली विभाग के बाबू बेड पर मृत मिले। कन्नौज में तैनात 45 वर्षीय ब्रजेश कुमार यादव शनिवार रात खाना खाने के बाद घर में कमरे में सोने चले गए थे। रविवार सुबह काफी देर तक जब वह नहीं उठे तो परिजनों को शक हुआ। दरवाजा तोड़कर अंदर देखा गया तो वह बिस्तर पर बेसुध पड़े थे। परिजन उन्हें कांशीराम अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। गोविंद नगर थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों के अनुसार दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। गोविंद नगर थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। परिजनों के अनुसार दरवाजा अंदर से बंद था। प्राथमिक जांच में हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। प्राथमिक जांच में हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई जा रही है। लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारण की पुष्टि हो सकेगी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, डॉक्टरों और पुलिस ने हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई है। हालांकि, शव का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है और उसके बाद ही मौत की पुष्टि की जाएगी। ब्रजेश कुमार यादव की मौत से उनके परिवार में शोक की लहर है।

सुबह दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने तोड़ा

सी-ब्लॉक गुजैनी निवासी ब्रजेश कुमार यादव बिजली विभाग में बाबू पद पर कन्नौज में तैनात थे। परिवार में पत्नी गायत्री देवी, बेटा आयन, बेटी रिमझिम और मां मालती देवी हैं। छोटे भाई अभिषेक के मुताबिक, सुबह मां ने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। फोन करने पर भी कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। पहले उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से काशीराम अस्पताल रेफर किया गया।

परिजन और पड़ोसी उनकी याद में भावुक हो गए हैं। छोटे भाई अभिषेक यादव ने बताया कि भाई हमेशा परोपकारी और शांत स्वभाव के थे। उनके अचानक चले जाने से परिवार और आसपास के लोग सदमे में हैं। पड़ोसियों ने बताया कि ब्रजेश कुमार यादव हमेशा मदद के लिए तैयार रहते थे और अपने कार्यक्षेत्र में जिम्मेदार कर्मचारी माने जाते थे। उनका अचानक निधन पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है।

अवध शुगर चीनी मिल में मजदूर की मरम्मत के दौरान गिरकर मौत

टीनशेड की मरम्मत करते समय ऊंचाई से गिरा मजदूर

तमसा संकेत, संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर के हरगांव थाना क्षेत्र में अवध शुगर चीनी मिल की डिस्टलरी ईकाई में काम के दौरान एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक मजदूर विश्वजीत भारती (मुरादनगर निवासी) टीनशेड की मरम्मत कर रहा था, तभी संतुलन बिगड़ने से वह ऊंचाई से नीचे गिर गया और गंभीर चोटें लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद डिस्टलरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही मिल प्रबंधन और पुलिस भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। विश्वजीत भारती ठेके पर मजदूरी करने के लिए डिस्टलरी में गया था। उसकी शादी तय हो चुकी थी और दो महीने बाद विवाह होना था। हादसे की खबर मिलते ही उसके घर मुरादनगर में मातम छा गया। परिजनों और ग्रामीणों का रो-रोकर बुरा हाल है। रिश्तेदार और ग्रामीण घर पर जमा होकर परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे को लेकर यह भी जांच की जा रही है कि डिस्टलरी में काम के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। प्रशासन और पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आगे आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हादसे से मृतक परिवार और आसपास के लोग गहरे सदमे में हैं। मिल प्रबंधन और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर मौजूद रहे। हादसे ने मजदूरों और स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। परिजनों और ग्रामीणों का रो-रोकर बुरा हाल है। रिश्तेदार और ग्रामीण घर पर जमा होकर परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं।

मानकों की अनदेखी से इंटरलॉकिंग सड़क धंसी

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जिले की नगरपालिका क्षेत्र के एक वार्ड स्थित विकास भवन के गोकुलनगर में डूडा योजना के अंतर्गत कराए गए इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया, जिससे सड़क की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। बताया जा रहा है कि इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण के दौरान नीचे डाली जाने वाली कच्ची गिट्टी की परत नहीं बिछाई गई। ठेकेदार ने सीधे डस्ट पर ही इंटरलॉकिंग ईंटें बिछा दीं। इसका परिणाम यह हुआ कि पानी निकासी के पास का हिस्सा और सड़क का एक किनारा अंदर ही अंदर धंसने लगा है। हल्के वाहनों के आवागमन से ही सड़क में धंसाव साफ नजर आने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क बने अभी एक माह भी नहीं हुआ है, लेकिन गुणवत्ता की पोल खुलने लगी है। सड़क के धंसने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही सड़क का पुनः मरम्मत कार्य मानकों के अनुरूप कराकर आवागमन को सुरक्षित और सुगम बनाया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है।

सास-बहू की हालत गंभीर, हैलट रेफर, कानपुर में मंदिर जा रहा था परिवार

बाइक-ऑटो में भीषण टक्कर, मासूम समेत 5 घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह तेज रफ्तार बाइक ने ई-ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ई-ऑटो तीन बार पलटते हुए सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा। इस दुर्घटना में एक वर्षीय मासूम सहित पांच लोग घायल हो गए। घायल काजल ने बताया कि वह अपने पति किशन गौतम, सास शिमला गौतम और एक वर्षीय बेटे ईशु के साथ सिविल लाइन स्थित भैरव मंदिर दर्शन के लिए जा रही थीं। सुबह करीब 11 बजे वे काशीराम कॉलोनी फेस-2, सजारी से निकले थे। घर से लगभग 500 मीटर दूर पहुंचते ही नशे में धुत बाइक सवार ने उनके ई-ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद काजल सड़क पर गिर गईं, जबकि ई-ऑटो पलट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को कांशीराम अस्पताल पहुंचाया। हादसे में ई-ऑटो और बाइक दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाइक सवार को भी आई गंभीर चोटें

हादसे में घायल अनिकेत के चाचा राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि अनिकेत उनके भाई वीरेंद्र गुप्ता का बेटा है और के.आर. पुरम शनिगवां का निवासी है। अनिकेत सुबह करीब 10:30 बजे निजी काम से कांशीराम कॉलोनी गया था। हादसे में उसका एक हाथ और एक पैर टूट गया है।

सास-बहू की हालत गंभीर, हैलट रेफर

हादसे में शिमला गौतम और किशन गौतम गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि मासूम ईशु के मुंह के अंदरूनी हिस्से में चोट आई है। सभी घायलों को कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से शिमला गौतम की हालत गंभीर होने पर उन्हें हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया पूरा घटनाक्रम

प्रत्यक्षदर्शी राहुल कुमार, सर्वेश और रमजान के अनुसार ई-ऑटो गुप्ता चौराहे की ओर से काशीराम कॉलोनी जा रहा था, तभी विपरीत दिशा से आ रही अपाचे बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ई-ऑटो तीन बार पलटा और गड्ढे में जा रुका। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी।

कार्यवाई : 8वीं की छात्रा खाने में मिलाकर देती, गोरखपुर में सोने का नाटक करके पकड़ा

मां-बाप को नींद की दवा देकर प्रेमी से मिलती

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में 8वीं की छात्रा अपने मां-पिता और दादी के खाने में नींद की दवा मिलाकर सुला देती थी। इसके बाद पड़ोस में रहने वाले 22 साल के प्रेमी से मिलने चली जाती थी। प्रेमी ने ऐसा माइंड वॉश किया कि वह उसकी हर बात मानने लगी थी। शक होने पर मां-बाप ने एक दिन खाना नहीं खाया और सोने का नाटक किया इसके बाद 15 साल की बेटी को प्रेमी के साथ रंगेहाथ पकड़ लिया। पंचायत हुई। इसके बाद भी नाबालिग लड़की और युवक का मिलना-जुलना जारी रहा। पिता ने पड़ोस में रहने वाले युवक के खिलाफ गुलरिहा थाने में एप्लिकेशन दी। शनिवार को पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में FIR दर्ज कर आरोपी की तलाश में दबिश दी, लेकिन वह फरार हो गया। आरोपी युवक पेंट-पॉलिश का काम करता है। लड़का और लड़की दोनों निषाद समाज के हैं। पिता को अक्सर रात में खाना खाने के बाद अजीब-सा महसूस होने लगता था। इसके बाद उन्हें बहुत तेज नींद आती थी। इस बारे में उन्होंने अपनी पत्नी समेत पूरे परिवार को बताया। तब पत्नी और बुजुर्ग मां ने भी कहा कि उनके साथ भी यही होता है। लेकिन, बेटी कुछ नहीं बोली। वह चुपचाप सबकी बातें सुनती रही। रोज रात को बेटी खाना खिलाते समय ज्यादा एक्टिव हो जाती थी। तब उन्हें बेटी पर शक हुआ। उन्होंने पुलिस को बताया कि मैंने पत्नी के साथ मिलकर प्लान बनाया।

'बेटी का व्यवहार बदला, खाना खाते ही नींद आ जाती थी'

गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में 15 साल की लड़की रहती है। पिता मुंबई में पेंटिंग का काम करते हैं। घर पर मां और बुजुर्ग दादी रहती हैं। एक महीने पहले मुंबई से पिता घर आए। उन्होंने बेटी के व्यवहार में काफी बदलाव देखा। हमेशा मोबाइल पर बातें करना, देर तक घर से गायब रहने की आदत देखकर वह बेटी को डांट-फटकार भी लगाते थे।

माता-पिता ने सोने का नाटक कर बेटी को पकड़ा

पिता ने बताया- 3 जनवरी की रात मैं और मेरी पत्नी ने अपने कमरे में जाकर सोने का नाटक किया। रात 11:30 बजे कुछ आवाज आई। चुपके से बाहर निकलकर देखा तो बेटी शॉल ओढ़कर कहीं जा रही थी। उसके पीछे-पीछे हम लोग भी निकले।

> **66 पिता ने बताया- इसके बाद मैंने बेटी को डांट-फटकार कर पूरी बात पूछी। तब उसने बताया कि एक साल से अधिक समय से पड़ोसी युवक के संपर्क में है। युवक पहले मोबाइल पर बातें करता था। उसने ही खाने में नींद की दवा मिलाने का आइडिया दिया था। उसके कहने पर खाने में चुपके से दवा मिलाती थी। दवा भी वही लाकर देता था। पकड़े जाने के बाद गांव में 4 जनवरी को पंचायत हुई। माफी मांगते हुए युवक ने आगे ऐसा नहीं करने की बात कही थी, लेकिन उसकी आदत में सुधार नहीं आया।**

मेरठ पुलिस की तत्परता से मिला सेना में तैनात युवक का बैग

मेरठ। मेरठ के थाना मेडिकल क्षेत्र में मेरठ पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए सेना में तैनात एक युवक का खोया हुआ बैग और उसका सामान सुरक्षित रूप से बरामद कर लिया गया। यह घटना पुलिस की सतर्कता और जनसेवा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। घटना की जानकारी देते हुए थाना मेडिकल पुलिस ने बताया कि सेना में तैनात युवक मेरठ में अपने किसी कार्य के सिलसिले में आया हुआ था। अचानक उसके पास रखा बैग गायब हो गया, जिसमें उसकी महत्वपूर्ण वस्तुएँ सुरक्षित थीं। बैग में 4800 नगद, पहचान पत्र, डेबिट कार्ड, कपड़ों से भरा एक बैग तथा अन्य आवश्यक वस्तुएँ शामिल थीं। युवक ने तुरंत थाना मेडिकल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी।मेरठ पुलिस की टीम ने क्षेत्र में सीसीटीवी फुटेज खंगाले, आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की।

जमीनी विवाद की आग में बुझ गया पूरा परिवार

दो दिन में पिता-पुत्र की मौत, अमराई गांव में दहशत का माहौल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। थाना रामनगर क्षेत्र के अमराई गांव में जमीनी विवाद ने जिस तरह हिंसक रूप लिया, उसने न केवल एक परिवार को तबाह कर दिया बल्कि पूरे इलाके की कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामूली विवाद को समय रहते शांत कराने में हुई चूक के चलते हालात इतने बिगड़े कि दो दिनों के भीतर पिता और पुत्र दोनों की मौत हो गई, जिससे गांव में मातम और आक्रोश का माहौल है। परिवारजनों के अनुसार, अमराई गांव में लंबे समय से जमीनी विवाद को लेकर तनाव बना हुआ था। बीते शुक्रवार की शाम करीब आठ बजे यह तनाव खुलकर सामने आ गया, जब मामूली कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान चेतराम को गांव के ही विशाल, विनोद , गजोधर, लखन और राजेश ने घेरकर लात-घूंसों और लाठी-डंडों और ईंट से बेरहमी से पीटा गया। मारपीट इतनी गंभीर थी कि चेतराम मौके पर ही बेसुध हो गए। घायल अवस्था में परिजन उन्हें तत्काल रामनगर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज की सलाह दी। बाद में उन्हें जिला अस्पताल बाराबंकी रेफर किया गया और वहां से ड्रामा सेंटर भेजा गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद शनिवार देर रात चेतराम ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

दलित बेटी को अगवा करने वाला भेजा गयाजेल

मेरठ में मां की हत्या कर उठा ले गया था, बोला- लड़की अपनी मर्जी से गई थी

हत्याकांड

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में मां की हत्या कर बेटी को किडनैप करने वाले को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। रविवार शाम पुलिस स्पेशल सीजेएम विकास सावन की कोर्ट में पारस के बयान दर्ज कराने पहुंची। पारस मफलर से मुंह बांधकर और चादर ओढ़कर कोर्ट पहुंचा। उसने जज के सामने कहा- मैंने कोई हत्या नहीं की है। मुझे बचा लीजिए। हमारा रिश्ता सच्चा है। रूबी अपने मर्जी से मेरे साथ गई थी। हमारा रिश्ता 3 साल से चल रहा था। हमारा रिश्ता सच्चा है। मैं निर्दोष हूं। वहीं, रूबी को एसीजेएम- 2 नम्रता की कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उसे काउंसिलिंग के लिए भेजा गया है। इस दौरान कचहरी परिसर में पुलिस फोर्स तैनात रही। मौके पर सीओ सिविल लाइन अभिषेक और सीओ सरधना आशुतोष भी मौजूद रही। रूबी के गांव में भी फोर्स तैनात है। वहीं, कपसाड़ गांव में अगवा की गई रूबी के केस में नई कहानी सामने आई है। पकड़े गए युवक पारस के अनुसार, दोनों का 3 साल से अफेयर चल रहा था। हाल ही में रूबी का रिश्ता कहीं और तय हो गया था। इसके बाद दोनों ने घर से भागने का प्लान बनाया। पुलिस ने शनिवार देर शाम सहारनपुर से रूबी और पारस सोम को अरेस्ट किया था। इसके बाद दोनों को मेरठ लाया गया था। दरअसल, 8 जनवरी (गुरुवार) को लड़की मां सुनीता के साथ खेत जा रही थी। रास्ते में पारस ने उसको रोका। मां ने इसका विरोध किया तो पारस ने गाली-गलौज कर फरसे से हमला कर मां की हत्या कर दी। इसके बाद लड़की को अगवा करके दिल्ली ले गया। इस घटना के बाद गांव में तनाव बढ़ गया। क्षेत्र का राजनीतिक माहौल और गरमा गया, जब परिवार ने मां का अंतिम संस्कार कराने से इनकार कर दिया था। हालांकि, काफी मान-मनौव्वल पर घरवाले वारदात के 30 घंटे बाद माने। इसके बाद अंतिम संस्कार हो सका। इसके बाद 9 जनवरी को गुरुग्राम में पारस अपने एक दोस्त के पास रुका। पारस मीडिया के जरिए गांव के हालात पर नजर रखे था। गांव का माहौल बिगड़ता देख वह रूबी को लेकर 9 जनवरी को गुरुग्राम से ट्रेन से सहारनपुर पहुंच गया। सहारनपुर के टपरी गांव में पारस की बहन रहती है। बहन के घर ही दोनों ने शुक्रवार रात बिताई। शनिवार (10 जनवरी) को वे हरिद्वार जाने के लिए ट्रेन में सवार हुए। इसी दौरान पारस ने दूसरे यात्री के फोन से झोलाछाप डॉक्टर राजेंद्र को फोन कर अपने परिवार की जानकारी ली। राजेंद्र के पास ही पारस नौकरी करता था। पारस का मोबाइल सर्विलांस पर था। कॉल मिलते ही मेरठ पुलिस ने हरिद्वार पुलिस से संपर्क किया। रुड़की में

कपसाड़ से खतौली, फिर दिल्ली और गुरुग्राम पहुंचे

8 जनवरी को सबसे पहले पारस रूबी को लेकर अपनी रिश्तेदारी में खतौली ले गया। इसी दौरान रूबी को अपनी मां सुनीता की मौत की खबर मिली। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। दिल्ली में एक होटल में रात बिताई।

घेराबंदी कराई गई। हरिद्वार एसएसपी के निर्देश पर एसपी देहात फोर्स के साथ रुड़की रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां ट्रेन पहुंचते ही दोनों को हिरासत में ले लिया गया। शनिवार शाम 6:15 बजे हरिद्वार पुलिस ने हिरासत में लिया।

पुलिस कस्टडी में कबूला प्यार का मामला

पुलिस कस्टडी में पारस सोम ने बताया कि कॉलेज में पढ़ाई के दौरान तीन साल पहले रूबी से उसका प्रेम संबंध शुरू हुआ था। दोनों ने साथ भागने का फैसला आपसी सहमति से किया था।

खेत में करंट लगने से वृद्ध की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

चांदपुर। तहसील के राजा का ताजपुर थाना क्षेत्र के तेलीपुरा गांव में खेत पर काम कर रहे एक व्यक्ति की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, तेलीपुरा गांव निवासी भागा सिंह के पुत्र रतन सिंह (60) मंगलवार को अपने पशुओं के लिए चारा काटने खेत पर गए थे। खेत में स्थित पानी के कुएं के पास पहुंचने पर उन्होंने देखा कि बिजली का एक तार नीचे गिरा हुआ था, जिसमें करंट आ रहा था। इसी दौरान चारा काटते समय अचानक उनका हाथ उस तार से छू गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रतन सिंह काफी देर तक खेत में ही पड़े रहे। आसपास के खेतों में काम कर रहे किसानों की नजर जब उन पर पड़ी तो उन्होंने पास जाकर देखा, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद किसानों ने घटना की सूचना परिजनों को दी। खबर मिलते ही परिवार के सदस्य खेत पर पहुंचे और रतन सिंह को मृत देखकर बदहवास हो गए। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर पुलिस चौकी प्रभारी राजवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

फास्ट न्यूज

काशी के कालभैरव क्षेत्र में दुकानदार से मारपीट

वाराणसी। वाराणसी के कालभैरव थाना क्षेत्र अंतर्गत घासी टोला मोड़ पर दर्शनार्थियों की भीड़ के बीच को एक गंभीर घटना सामने आई। माला-फूल बेचने वाले स्थानीय मनबढ़ युवकों ने एक दुकानदार के साथ जमकर मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पूरी घटना पास में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित दुकानदार आशीष वर्मा ने बताया कि एक युवक भीड़ में धक्का मुक्की करते हुए जा रहा था।

आगरा पुलिस की थर्ड डिग्री पर मनोवैज्ञानिक ने पढ़ाया पाठ

आगरा। आगरा में थर्ड डिग्री मामलों के बाद पुलिस को मनोवैज्ञानिक व्यवहार की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला में तनाव प्रबंधन, संवेदनशील व्यवहार और साइकोलॉजिकल फर्स्ट एड पर जोर दिया गया। आगरा पुलिस की थर्ड डिग्री से किरकिरी हुई थी। पहले किरावली थाना पुलिस ने पूछताछ के दौरान थर्ड डिग्री देते हुए युवक के पैर तोड़ दिए थे। यह मामला शांत हुआ नहीं था कि थाना छत्ता पुलिस का भी रोद्र रूप सामने आया था।

पुलिस से हाथ छुड़ाकर जेल गेट से लुटेरा फरार

गाजीपुर। गाजीपुर में जेल के एंट्री गेट से एक लुटेरा पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। हाथ छुड़ाकर भागे बदमाश को पकड़ने के लिए पुलिसकर्मी पीछे दौड़े, लेकिन वह भागने में सफल रहा। दो दिन पहले ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर दो लुटेरों को रंगेहाथ पकड़ा था और पुलिस के हवाले कर दिया था। कोर्ट में पेशी के बाद दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 186 ग्रामीणों का हुआ उपचार

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र के हरक्का गांव में रविवार को एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में लखनऊ से आए वरिष्ठ एवं अनुभवी चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श और दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराईं। स्वास्थ्य शिविर में लखनऊ के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एस. के. शुक्ला, डॉ. सलमा शमीम, डॉ. जमालुद्दीन एवं डॉ. एस. फारूकी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर के दौरान कुल 186 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें सामान्य बीमारियों के साथ-साथ ब्लड प्रेशर, शुगर, बुखार, सर्दी-खांसी, पेट संबंधी रोगों एवं अन्य मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीज शामिल रहे। चिकित्सकों ने मरीजों को दवाइयों के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित आहार लेने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। उन्होंने ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए और लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की अपील की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में इस तरह के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन उनके लिए बेहद लाभकारी साबित हुआ है, क्योंकि दूर शहर जाकर इलाज कराना सभी के लिए संभव नहीं हो पाता। शिविर के माध्यम से उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लेने का अवसर मिला, जिससे उनकी कई स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान हो सका।

हाईवे किनारे मिली युवक की गला रेती लाश

24 घंटे से लापता था फैक्ट्री कर्मी, पत्नी बोली-किसी से रंजिश नहीं थी

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर रविवार सुबह एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। युवक की लाश मूंढापांडे थाना क्षेत्र के दलपतपुर के पास एक निर्माणाधीन फ्लाईओवर के नीचे पड़ी मिली। मृतक पिछले 24 घंटे से लापता था और एक एक्सपोर्ट फैक्ट्री में काम करता था। सुमित काशीपुर रोड पर स्थित एक एक्सपोर्ट फैक्ट्री RH अब्दुल्ला में काम करता था। शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे वह फैक्ट्री जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन फिर कभी घर नहीं लौटा। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। वहीं, सुमित की फैक्ट्री में भी पुलिस टीम ने जांच की ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह शनिवार को फैक्ट्री पहुँचा भी था या नहीं। पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सुमित की मौत की सही वजह और हत्या के तथ्य सामने आएंगे। पुलिस ने कहा कि मामले की तहकीकात जारी है और जल्द ही हत्यारे का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। वहीं, सुमित की फैक्ट्री में भी पुलिस टीम ने जांच की ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह शनिवार को फैक्ट्री पहुँचा भी था या नहीं।

पत्नी की बयान और पुलिस जांच

पति की लाश मिलने की सूचना पर शालिनी मौके पर पहुंची और पुलिस को बताया कि उसके पति का अचानक गायब होना चिंता का कारण बना। उन्होंने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ तहरीर दी और कहा कि किसी अज्ञात ने उनके पति की गर्दन पर वार कर हत्या की है। शालिनी ने स्पष्ट किया कि परिवार का किसी से कोई रंजिश नहीं थी।

राहगीरों ने देखा शव, सूचना पुलिस को दी

सुबह राहगीरों ने फ्लाईओवर के नीचे युवक की लाश पड़ी देखी और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। जांच में यह पता चला कि युवक की गर्दन रेती हुई थी, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है।

मृतक सुमित उर्फ भूरा की फाइल फोटो।

मृतक की पहचान: सुमित उर्फ भूरा

पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त कराई। मृतक की पहचान सुमित उर्फ भूरा (35 वर्ष) निवासी गणेशघाट, थाना मूंढापांडे के रूप में हुई। सुमित अपनी पत्नी शालिनी उर्फ प्रियंका के साथ कुछ समय से गांव छोड़कर मूंढापांडे में रह रहा था।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिला अध्यक्ष संतोष शुक्ला जी के आवाहन पर रविवार 11 जनवरी 2026 को सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत हेतमापुर रोड स्थित संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय पर पत्रकारों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अगुवाई जिला महामंत्री दीपक सिंह सरल ने की। बैठक में सर्वसम्मति से तहसील फतेहपुर की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें प्रेम नारायण सिंह को तहसील अध्यक्ष तथा बालेंद्र कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं रामनगर तहसील इकाई में राज बहादुर वर्मा को तहसील अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही सत्यवान पाल को रामनगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेश कुमार उर्फ राजू गोस्वामी को उपाध्यक्ष, आशीष कुमार यादव व धनंजय मिश्रा को महामंत्री, रूपेश मिश्रा को मंत्री, अमित कुमार को कोषाध्यक्ष तथा शिवम मिश्रा को तहसील मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश पत्रकारों के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रहा है और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत किया जाएगा। बैठक के दौरान स्वामी विवेकानंद की जयंती की पूर्व संध्या पर उनके चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण किया गया। साथ ही संगठन के पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सदस्य महासभा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. दिलीप सिंह यादव भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनका ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की ओर से माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया।

2 कार और 4 दुकानें आग में जलीं

ढाई घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू, पास के घर में सगाई हो रही थी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के नरीपुरा में शनिवार रात 4 दुकानों में आग लग गई। आग की चपेट में आने से 2 कारें भी जलकर खाक हो गईं। आग की लपटें शादी वाले घर तक पहुंच गईं। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, इसलिए शादी वाला घर इसकी चपेट में आने से बच गया। लगभग ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना शनिवार रात लगभग 3 बजे की है। नरीपुरा, कमाल खां के शिवनगर के रहने वाले यूनिस के दो भाइयों शाहरुख और अब्दुल की शनिवार को सगाई थी। घर के पास में ही उनकी 4 किनारा की दुकानें हैं। सगाई समारोह के बाद रिश्तेदारों को विदा करने के बाद रात लगभग ढाई बजे सभी परिजन घर में सोने चले गए। लगभग ढाई घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। यूनिस ने बताया-शनिवार को उनके घर में दो भाइयों की सगाई थी। रात ढाई बजे तक सभी जागते रहे थे, तब तक कोई घटना नहीं हुई थी। आग के कारणों का पता नहीं जल सका है। चारों दुकानों में किराने का सामान पूरी तरह से जल गया है। लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। चारों दुकानों में किराने का सामान पूरी तरह जल गया है। इसके अलावा आग की चपेट में आने से दो कारें भी खाक हो गईं। अनुमानित नुकसान लाखों रुपए का है। यूनिस ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पाने के कारण शादी वाला घर बच गया और किसी का जानी नुकसान नहीं हुआ। यद्यपि दुकानों और वाहन को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन समय रहते कार्रवाई के कारण कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। आसपास के लोग भी मदद के लिए आगे आए और आग बुझाने में योगदान दिया।

> "यूनिस ने बताया-घर के बगल में ही उनकी एक्सयूवी 700 और ईको कार खड़ी थी, दोनों पूरी तरह से जल गईं। इसके अलावा दो इलेक्ट्रिक रिक्शा भी जल गए। शोर सुनकर आसपास के लोग भी बाहर निकल आए। आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग इतनी भीषण थी कि काबू में नहीं आई। आनन-फानन में फायर बिग्रेड को सूचना दी गई।

आग पर काबू दौड़े परिजन

रात लगभग 3 बजे अब्दुल की आंख खुली तो देखा दुकान से आग की लपटें उठ रही हैं। अब्दुल की चीख सुनकर सभी परिजन उठ गए। देखा तो एक-एक कर चारों दुकानों से आग की लपटें उठ रही थीं। परिजन दौड़कर घर के बाहर आए। देखा आग की लपटें उनके घर तक पहुंच गई हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

असम सीएम के ...

वह हिमंत बिस्वा सरमा से ज्यादा बुद्धिमान और पढ़े-लिखे थे। कांग्रेस के इमरान मसूद ने हिंदू PM वाली टिप्पणी पर असम के CM की आलोचना की। मसूद ने कहा कि ऐसे बयानों का संविधान में कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म यह तय नहीं करता कि संवैधानिक पदों पर कौन बैठेगा। BJP के RP सिंह ने AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से कहा कि वे पहले अपनी पार्टी से ऐसी नेता को सामने लाएं जो हिजाब पहनती हो। उन्होंने कहा- ओवैसी साहब, केरल में नबीसा उम्मल थीं, कश्मीर में इल्तिजा मुफ्ती और उनकी मां महबूबा मुफ्ती हैं, और जॉर्डन की रानी रानिया अल अब्दुल्ला भी हैं, इनमें से किसी भी महिला ने हिजाब नहीं पहना। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रकाश रेड्डी ने रविवार को ओवैसी पर राजनीतिक फायदे के लिए बार-बार सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में कोई भी कट्टर धार्मिक सोच के आधार पर प्रधानमंत्री नहीं बन सकता।

आरएसएस बदला नहीं ...

लेकिन वास्तव में यह बदल नहीं रहा, बल्कि धीरे-धीरे सामने आ रहा है।' RSS के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि वे जन्मजात देशभक्त थे और उन्होंने बचपन में ही देशसेवा को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया था। उन्होंने कहा, 'संघ और डॉक्टर साहब एक ही भाव के दो नाम हैं।' भागवत ने बताया कि डॉ. हेडगेवार मात्र 11 साल के थे, जब प्लेग के कारण उनके माता-पिता का निधन हो गया। इसके बावजूद उनका व्यक्तित्व कमजोर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में बड़े आघात के बाद भी डॉ. हेडगेवार का स्वभाव और विचार दृढ़ बने रहे, जो उनकी मानसिक दृढ़ता और संतुलित सोच को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. हेडगेवार के व्यक्तित्व और मानसिक संरचना पर अध्ययन और शोध किया जा सकता है। मोहन भागवत ने हैदराबाद में कहा था कि अब सनातन धर्म को फिर से जिंदा करने का समय आ गया है। उन्होंने बताया कि करीब 100 साल पहले योगी अरविंद ने कहा था कि सनातन धर्म को फिर से जिंदा करना भगवान की मर्जी है और हिंदू राष्ट्र का उदय सनातन धर्म को फिर से जिंदा करने के लिए है। RSS प्रमुख मोहन भागवत ने भारतीय विज्ञान सम्मेलन (BVS) में उद्घाटन कार्यक्रम में कहा- भारत का आगे बढ़ना तय है। लेकिन हमें सिर्फ सुपरपावर ही नहीं, बल्कि विश्वगुरु भी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म और विज्ञान में कोई टकराव नहीं है। बस उनके रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही है। RSS प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हमें फिर से सोने की चिड़िया नहीं बनना है, बल्कि हमको शेर बनना है। दुनिया शक्ति की ही बात समझती है और शक्ति संपन्न भारत होना चाहिए। हमेशा 'भारत' ही कहना चाहिए, न कि इसका अनुवाद करना चाहिए। विकसित, विश्व गुरु भारत कभी भी युद्ध का कारण नहीं बनेगा।

'प्रतिशोध अगर भूल ...

भगत सिंह को फांसी हुई, सुभाष चंद्र बोस को जीवन भर संघर्ष करना पड़ा, महात्मा गांधी को सत्याग्रह करना पड़ा और अनगिनत लोगों को जानें देनी पड़ीं।' भारत के खुफिया ब्यूरो के पूर्व प्रमुख 81 वर्षीय डोभाल ने कहा, 'हमारे गांव जले, हमारी सभ्यता को समाप्त किया गया, हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम एक मूक दर्शक की तरह असहाय होकर देखते रहे। यह इतिहास हमें एक चुनौती देता है कि भारत के हर युवक के अंदर आग होनी चाहिये।' डोभाल ने कहा, 'हमारी एक बड़ी विकसित सभ्यता थी। हमने किसी के मंदिर नहीं तोड़े और कहीं जाकर लूटा नहीं। हमने दूसरे देशों पर आक्रमण नहीं किया, परंतु हम अपनी सुरक्षा और उस पर खतरों के प्रति उदासीन रहे, तो हमें इतिहास ने एक सबक सिखाया। क्या हमने वह सबक सीखा और क्या उसे याद रखेंगे। अगर आने वाली पीढियां उस सबक को भूल जायेंगी, तो यह इस देश की सबसे बड़ी त्रासदी होगी।' डोभाल ने कहा, 'हमारी एक बड़ी विकसित सभ्यता थी। हमने किसी के मंदिर नहीं तोड़े और कहीं जाकर लूटा नहीं। हमने दूसरे देशों पर आक्रमण नहीं किया, परंतु हम अपनी सुरक्षा और उस पर खतरों के प्रति उदासीन रहे, तो हमें इतिहास ने एक सबक सिखाया। क्या हमने वह सबक सीखा और क्या उसे याद रखेंगे। अगर आने वाली पीढियां उस सबक को भूल जायेंगी, तो यह इस देश की सबसे बड़ी त्रासदी होगी।'

बुजुर्ग एनआरआई ...

कॉल करने वालों ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (PMLA) जैसे कानूनों का हवाला देते हुए दंपती पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आरोप भी लगाए। इसके बाद उन्हें मुंबई में पेश होने के लिए कहा। महिला ने जब उन्हें पति के ऑपरेशन के कारण मुंबई न आने की बात कही तो उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया। महिला ने पुलिस को बताया कि ठग उनकी हर गतिविधि पर नजर रखते थे। जब भी वह घर से बाहर निकलतीं या किसी को फोन करने की कोशिश करतीं, ठग उनके पति के फोन पर वीडियो कॉल शुरू कर देते थे, ताकि वह किसी को जानकारी न दे सकें। इस दौरान ठगों ने डॉ. इंदिरा पर दबाव डालकर आठ अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर कराए। हर बार रकम अलग-अलग होती। कभी 2 करोड़ रुपए, तो कभी 2.10 करोड़ रुपए से ज्यादा। कुल मिलाकर ठगों ने कपल से अलग-अलग बैंक अकाउंट में कुल 14.85 करोड़ रुपए ट्रांसफर करवा लिए। डॉ. इंदिरा ने पुलिस को बताया कि बैंक जाने से पहले ठग उन्हें बताते थे कि अगर बैंक स्टाफ सवाल करे तो क्या जवाब देना है। 10 जनवरी को मामला तब सामने आया, जब ठगों ने बुजुर्ग कपल को स्थानीय पुलिस थाने जाने को कहा। कपल के मुताबिक, ठगों ने उनसे कहा कि अब उनके पैसे भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के जरिए वापस किए जाएंगे और पुलिस को इसकी जानकारी दे दी गई है। डॉ. इंदिरा तनेजा वीडियो कॉल पर रहते हुए पुलिस थाने पहुंचीं और ठगों की पुलिस-कर्मियों से बात भी कराई। महिला के मुताबिक, कॉल करने वालों ठगों ने पुलिस से भी बदतमीजी से बात की। पुलिस थाने पहुंचने के बाद ही डॉ. इंदिरा तनेजा को ठगी का पूरा अंदाजा हुआ और यह साफ हुआ कि पैसे लौटाने का दावा पूरी तरह झूठा था। दंपती अपनी जीवन भर की जमा पूंजी गंवाने के बाद गहरे सदमे में है। पीड़ित डॉ. इंदिरा ने बताया कि पुलिस के पास जाने के बाद ही उन्हें ठगी का पता चला। उन्होंने राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई और वकील की मौजूदगी में विस्तृत शिकायत देने के लिए समय मांगा। दिल्ली पुलिस ने कपल की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। अपराध की गंभीरता को देखते हुए जांच स्पेशल सेल की साइबर यूनिट- इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (IFSO) को सौंप दी गई है।IFSO यूनिट ने इस मामले में FIR दर्ज कर ली है।

ऑपरेशन सिंदूर खत्म ...

हम इकलौते हैं, जो अपनी छाती पीट-पीटकर कहते हैं कि हाय-हाय पाकिस्तान जिम्मेदार है, लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं। न्यूज एजेंसी IANS से बातचीत में आगे यहां तक कहा कि संयुक्त राष्ट्र (UN) और अमेरिका ने भी पाकिस्तान को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। कोई मानने को तैयार नहीं, क्योंकि हम कोई सबूत पेश नहीं कर पा रहे हैं। अय्यर ने 5 मार्च को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की शिक्षा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, 'आश्चर्य है इतने कमजोर एजुकेशन रिकॉर्ड वाले व्यक्ति को प्रधानमंत्री कैसे बनाया गया।' अय्यर ने आगे कहा, 'जब राजीव प्रधानमंत्री बने तब मैंने सोचा ये एयरलाइन पायलट है। दो बार फेल हो चुका है, ऐसा व्यक्ति प्रधानमंत्री कैसे बन सकता है।' अय्यर ने 11 जनवरी को कहा था कि बांग्लादेशी की पूर्व पीएम शेख हसीना जब तक चाहें, भारत में रहने दिया जाना चाहिए। शेख हसीना ने हमारे लिए बहुत कुछ अच्छा किया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ अपडेटेड वनडे स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेट-कीपर)।

ध्रुव जुरेल को मौका, नेट प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हुए थे, पसली में गेंद लगी

चोट के कारण पंत वनडे सीरीज से बाहर

वडोदरा, एजेंसी।

टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत चोट के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। यह जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने रविवार को आधिकारिक तौर पर साझा की। पंत की जगह युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई के अनुसार, शनिवार शाम अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत को चोट लगी। वह थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट के खिलाफ नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज गेंद उनके पेट की दाहिनी तरफ जा लगी, जिससे वह अचानक दर्द में आ गए। गेंद लगते ही पंत जमीन पर बैठ गए और काफी असहज नजर आए। घटना के तुरंत बाद टीम इंडिया का सपोर्ट स्टाफ और मेडिकल टीम मैदान पर पहुंची और पंत की प्राथमिक जांच की। इसके बाद उन्हें एहतियात के तौर पर अभ्यास सत्र से बाहर ले जाया गया। मेडिकल जांच में सामने आया कि पंत की दाहिनी पसली में खिंचाव आ गया है। डॉक्टरों ने उन्हें

पंत वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में प्रैक्टिस सेशन में शामिल हुए थे।

कुछ समय के लिए पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। चोट की गंभीरता को देखते हुए टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर रखने का फैसला किया। बीसीसीआई ने बयान जारी कर बताया कि पंत की रिकवरी पर लगातार नजर रखी जाएगी और वह मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। ऋषभ पंत के बाहर होने के बाद चयनकर्ताओं ने ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया है। जुरेल हाल के समय में अपने

2025 में भी चोट के कारण टीम से बाहर हुए

- **भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज:** जुलाई 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट के पहले दिन पंत को चोट लगी थी। उनके दाहिने पैर की अंगुली में फ्रैक्चर था। डॉक्टर्स ने पंत को कम से कम छह हफ्ते आराम करने को कहा था।
- **एशिया कप 2025:** पैर की चोट के कारण सितंबर में खेले एशिया कप से भी ऋषभ पंत बाहर रहे। उन्हें टीम में नहीं चुना गया था। अक्टूबर में वेस्टइंडीज से खेले गए 2 टेस्ट के लिए भी पंत को टीम में नहीं रखा गया था।

प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान खींच चुके हैं और अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ यह वनडे सीरीज टीम इंडिया के लिए अहम मानी जा रही है। ऐसे में पंत की गैरमौजूदगी में अन्य बल्लेबाजों और विकेटकीपर पर अतिरिक्त जिम्मेदारी होगी।

अगस्त 2024 में खेला था 50 ओवर का मैच

पंत पिछले दो साल से भारत की वनडे टीम का हिस्सा हैं, लेकिन उन्होंने आखिरी बार 50 ओवर फॉर्मेट का मैच अगस्त 2024 में श्रीलंका दौरे के समय खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले पंत को टीम से बाहर किए जाने की अटकलें तेज थीं, लेकिन अजीत अगरकर की अगुआई वाली सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें टीम में बरकरार रखा।

डब्ल्यूपीएल 2026 से यास्तिका भाटिया बाहर हुईं

मुंबई। विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) 2026 में नहीं खेल पाएंगी। घुटने की लिगामेंट सर्जरी के बाद वह पूरी तरह फिट नहीं हो सकीं। उन्हें पिछले साल हुए मिनी ऑक्शन में गुजरात जायंट्स ने 50 लाख रुपए में खरीदा था। यास्तिका की इस सीजन में उपलब्धता पहले से ही संदिग्ध थी। उन्होंने अक्टूबर 2025 में घुटने की लिगामेंट सर्जरी करवाई थी। WPL प्रबंधन ने नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों को स्पष्ट कर दिया था कि यदि यास्तिका को खरीदा जाता है और वह टूर्नामेंट से बाहर होती हैं, तो टीम को उनका रिप्लेसमेंट लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बावजूद गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स ने उन पर बोली लगाई। अंत में गुजरात जायंट्स ने उन्हें 50 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया। गुजरात जायंट्स के कोच माइकल क्लिंगर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर यास्तिका की रिकवरी को लेकर शुभकामनाएं दीं।

तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहने पर विवाद

बांग्लादेशी क्रिकेटर्स अपने ही बोर्ड पर भड़के

सिलहट, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के फाइनेंस डायरेक्टर के तमीम इकबाल को भारत का एजेंट कहने पर विवाद हो गया है। कप्तान नजमुल हसन शांतो, तस्कीन अहमद, पूर्व कप्तान मोमिनुल हक और स्पिनर ताइजुल इस्लाम जैसे कई क्रिकेटर्स ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। इसके बाद BCB प्रेसिडेंट ने अमीनुल इस्लाम ने कहा है- 'यह उस निदेशक की निजी राय थी। मैंने संबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है।' इस्लाम ने आगे कहा- 'तमीम ने देश के लिए बहुत कुछ हासिल किया है और सार्वजनिक बयान देते समय उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए था।' एक

दिन पहले शुक्रवार को BCB की फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन नजमुल ने एक फेसबुक पोस्ट में तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा था। नजमुल ने यह पोस्ट तमीम के उस बयान के बाद की थी, जिसमें पूर्व बांग्लादेश कप्तान ने BCB को टी-20 वर्ल्ड कप के मामले में समझदारी से फैसला लेने की सलाह दी थी। नजमुल के बयान पर बांग्लादेश की टेस्ट टीम के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने कहा- 'यह अस्वीकार्य है। एक खिलाड़ी, चाहे वह पूर्व कप्तान हो या नहीं, सम्मान का हकदार होता है, अंततः एक क्रिकेटर सम्मान की आशा रखता है।' शांतो के अलावा, तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद, पूर्व कप्तान मोमिनुल हक और स्पिनर ताइजुल इस्लाम समेत कई क्रिकेटर्स ने नाराजगी जाहिर की। मामले में बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (BCWA) ने कहा, 'BCB निदेशक नजमुल द्वारा पूर्व कप्तान तमीम इकबाल के बारे में दिया गया बयान चौंकाने वाला है। BCWA ने कहा- तमीम बांग्लादेश के सबसे सफल ओपनर रहे हैं। उन्होंने 16 वर्षों तक देश का प्रतिनिधित्व किया है।

फरीदाबाद में होटल के सीसीटीवी, स्टाफ के बयान, मोबाइल लोकेशन शिकायत से मेल खा रहे

नाबालिग शूटर से रेप केस में पुलिस को सबूत मिले

फरीदाबाद, एजेंसी

फरीदाबाद में 17 साल की नेशनल शूटर के यौन शोषण के मामले में आरोपी नेशनल कोच अंकुश भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। शुरुआती जांच में आरोपी के खिलाफ पुलिस के हाथ कुछ पुख्ता सबूत लगे हैं। महिला थाना इंचार्ज माया ने बताया कि अभी तक की जांच में शूटर की शिकायत, मौके की स्थिति और टाइम लाइन मेल खा रही है। पीड़ित और आरोपी कोच के बीच की कड़ियां एक दूसरे से मैच कर रही हैं। पुलिस ने फाइव स्टार होटल के सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इसमें शूटर के होटल में जाने के फुटेज मिले हैं। आरोपी कोच

और लड़की के मोबाइल की लोकेशन भी मैच हुई हैं। दोनों की लोकेशन होटल में एक ही जगह की हैं। होटल के स्टाफ से भी इस केस को लेकर पूछताछ की है। 6 जनवरी को NIT महिला थाने में FIR दर्ज होने के बाद से कोच अंकुश भारद्वाज फरार है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 5 टीमें बनाई गई हैं।

66 शूटर करीब 9 साल की उम्र यानी 2017 से शूटिंग की प्रैक्टिस कर रही है। जुलाई 2025 से ही कोच अंकुश के पास ट्रेनिंग शुरू की थी। कोच उसको शूटिंग प्रैक्टिस के लिए कभी पटियाला, मोहाली, कभी देहरादून बुलाता था। पहले वह रोजाना शाम तक घर लौट आती थी।

16 दिसंबर को शूटिंग प्रतियोगिता में पहुंची

पीड़ित के बयान के अनुसार, 16 दिसंबर को दिल्ली की डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में नेशनल लेवल की शूटिंग प्रतियोगिता थी। उसका मैच सुबह साढ़े 10 बजे से पौने 12 बजे तक चला। इसी दौरान कोच ने शूटर को मैच को लेकर चर्चा करने के लिए रेंज में रुकने के लिए कहा। दोपहर 2 बजे तक पीड़ित शूटिंग रेंज में ही कोच का इंतजार करती रही।

गोल्ड मैडलिस्ट रह चुका है कोच

आरोपी कोच अंकुश भारद्वाज नेशनल कोच था। इस घटना के बाद नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आरोपी कोच अंकुश भारद्वाज को सस्पेंड कर दिया। एसोसिएशन का कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं होगी, अंकुश सस्पेंड रहेगा।

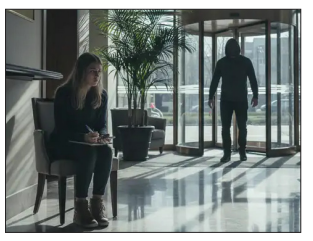

मैच एनालाइज के बहाने होटल बुलाया

पीड़ित ने बताया कि इसी दौरान उसके पास कोच ने कॉल किया और फरीदाबाद के सूरजकुंड स्थित एक फाइव स्टार होटल में बुलाया। यहां लॉबी में आकर मैच के बारे में एनालाइज करके लिखने को कहा। सीसीटीवी में शूटर का होटल में आना और लॉबी में जाना उसके बयान से मैच कर रहा है। इसी दौरान कोच ने फिर से कॉल करते उसे लिफ्ट एरिया में आने के लिए कहा। लिफ्ट एरिया में जाने के बाद कोच उसे अपने कमरे में ले गया। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में भी पीड़ित के लिफ्ट एरिया में जाने के सबूत मिले हैं।

मनोरंजन

कृति सेनन के बॉयफ्रेंड कबीर सिंह बाहिया रहे मौजूद, मौनी रॉय, दिशा पाटनी भी हुईं शामिल

क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से हुई नूपुर सेनन-स्टेबिन की शादी

उदयपुर। बॉलीवुड एक्ट्रेस नूपुर सेनन ने शनिवार को लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड स्टेबिन से शादी कर ली है। एक्ट्रेस की शादी उदयपुर में चंद करीबी दोस्तों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में हुई। नूपुर ने स्टेबिन बेन से क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से शादी की है, जिसमें उनकी बहन कृति सेनन के बॉयफ्रेंड कबीर सिंह बाहिया भी शामिल हुए हैं। नूपुर, स्टेबिन के वेडिंग प्लानर के सोशल मीडिया पर उनकी क्रिश्चियन वेडिंग की इनसाइड तस्वीरें शेयर की गई हैं। वेडिंग में नूपुर ने व्हाइट गाउन पहनी थी, जबकि कृति सेनन ब्लू लॉन्ग ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिखीं। दिशा पाटनी ने नूपुर की शादी में ब्लू ड्रेस पहनी वहीं मौनी रॉय ने स्काई ब्लू लॉन्ग ड्रेस में क्रिश्चियन वेडिंग अटेंड की है। कृति सेनन के बॉयफ्रेंड कबीर सिंह बहिया भी नूपुर की शादी का हिस्सा बने हैं। उन्होंने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से शादी की तस्वीर शेयर की है।

संगीत सेरेमनी में कृति ने दी परफॉर्मेंस

नूपुर सेनन और स्टेबिन की शादी की रस्में उदयपुर के लेकसिटी के रैफल्स होटल में जारी हैं। 7 जनवरी को कृति परिवार के साथ उदयपुर पहुंची थीं, जिसके बाद 8 जनवरी को नूपुर और स्टेबिन की संगीत सेरेमनी हुई। संगीत सेरेमनी में नूपुर ने सजना जी वारी वारी सॉन्ग पर परफॉर्मेंस दी। इसके अलावा कृति ने भी कई गानों पर थिरकते हुए बहन के लिए परफॉर्म किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, उदयपुर में इंटीमेट वेडिंग सेरेमनी के बाद नूपुर और स्टेबिन 13 जनवरी को मुंबई में ग्रेंड रिसेप्शन रखेंगे।

क्रिश्चियन वेडिंग के बाद नूपुर-स्टेबिन ने कॉकटेल संगीत नाइट और कव्वाली नाइट रखी थी, जिसमें पॉपुलर सागर वाली कव्वाली की परफॉर्मेंस हुई। एक्ट्रेस मौनी रॉय और दिशा पाटनी भी नूपुर सेनन की शादी में शामिल हुई हैं। मौनी रॉय ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें भी पोस्ट की हैं।

आज हिंदू-रीति-रिवाजों से भी हो सकती है शादी

कुछ दिनों पहले नूपुर सेनन के करीबी सूत्र के हवाले से बताया गया था कि नूपुर 11 जनवरी यानी आज उदयपुर में शादी करने वाली हैं। ऐसे में अनुमान लगाया जा सकता है कि क्रिश्चियन वेडिंग के बाद आज नूपुर और स्टेबिन हिंदू रीति रिवाजों से शादी कर सकते हैं।

"बता दें कि साल 2024 में, स्टेबिन बेन ने नुपूर के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था- 'मेरा और नुपूर का रिश्ता बहुत ही शानदार है। हम एक-दूसरे के बहुत करीब हैं। मैंने उसके साथ काफी समय बिताया है और मुझे नहीं लगता कि मेरा किसी और के साथ ऐसा रिश्ता है।' नूपूर के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2019 में बी प्राक के म्यूजिक वीडियो 'फिलहाल' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। इसमें उनके अपोजिट अक्षय कुमार नजर आए थे। उसके बाद 2021 में दोनों का साथ में फिलहाल 2: मोहब्बत एलबम आया था।

उदयपुर में क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से हुआ विवाह

नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन ने क्रिश्चियन रीति-रिवाजों के अनुसार एक-दूसरे का हाथ थामा।

वेडिंग प्लानर ने शेयर की इनसाइड तस्वीरें

शादी के बाद नूपुर और स्टेबिन की क्रिश्चियन वेडिंग की इनसाइड तस्वीरें उनके वेडिंग प्लानर द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर की गईं। इन तस्वीरों के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया।

प्रभास की फिल्म राजा साब की स्क्रीनिंग में लगी आग

थिएटर में आरती करने लगे फैंस, थाली गिरने से हुआ हादसा

मुंबई। साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म राजा साब 9 जनवरी को रिलीज हुई है। शनिवार को ओडिशा में फिल्म राजा साब की स्क्रीनिंग के दौरान बड़ा हादसा होने से टल गया। दरअसल, फैंस प्रभास के एक फाइट सीन को देखकर उतावले हो गए और थिएटर में आरती करने लगे। कुछ देर बाद आरती की थाली गिर गई, जिससे थिएटर में आग लग गई। ये घटना ओडिसा के रायगढ़ा में स्थित अशोक टॉकीज हॉल की है। फिल्म की शुरुआत में प्रभास पर फिल्माया गाना दिखआया जा रहा था, जिसे देख फैंस उतावले हो गए। गाना देखकर प्रभास के कुछ फैंस आरती की थाली लेकर स्क्रीन की आरती उतारने लगे। भीड़ में फैंस के हाथ से थाली गिरी और देखते ही देखते आग फर्श पर फैलने लगी। थिएटर में मौजूद फैंस ने तुरंत एकजुट होकर आग

बुझाने की कोशिश की, जब तक थिएटर स्टाफ भी पहुंच गया। हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें थिएटर में मौजूद लोग गमछे और कपड़ों से आग पर काबू पाते नजर आ रहे हैं।

फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में आएगी, पोस्टर भी जारी

रानी मुखर्जी स्टारर 'मर्दानी 3' की रिलीज डेट घोषित

मुंबई। यश राज फिल्म्स (YRF) ने रविवार को फिल्म मर्दानी 3 की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। रानी मुखर्जी स्टारर यह फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी। YRF की मर्दानी हिंदी सिनेमा की सोलो फीमेल लीड फ्रेंचाइजी है। मर्दानी 3 में रानी मुखर्जी एक बार फिर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आएंगी, जो न्याय के लिए निस्वार्थ भाव से लड़ती हैं। YRF ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए इसका पोस्टर भी शेयर किया। साथ में लिखा, "वह तब तक नहीं रुकेगी, जब तक वह उन सभी को बचा नहीं लेती। रानी मुखर्जी मर्दानी 3 में निडर कॉप शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में वापस आ गई हैं। रेस्क्यू 30 जनवरी को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में शुरू होगी।" बता दें कि मर्दानी 3 का निर्देशन अभिराज मिनावाला ने किया है और फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है। मर्दानी का पहला पार्ट 22 अगस्त 2014 को रिलीज हुआ था, जिसका निर्देशन प्रदीप सरकार ने किया था। फिल्म ने भारत में करीब 35 से 36

करोड़ रुपए की नेट कमाई की, जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 59.55 करोड़ रुपए रहा। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म हिट साबित हुई। इसके बाद मर्दानी 2, 13 दिसंबर 2019 को रिलीज हुई। इस फिल्म का निर्देशन गोपी पुथरन ने किया था। मर्दानी 2 ने भारत में लगभग 47.51 करोड़ रुपए की नेट कमाई की और दुनियाभर में करीब 67.12 करोड़ रुपए का कारोबार किया। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर हिट रही।

राष्ट्रपति का फैसला लेना बाकी, ईरानी स्पीकर बोले- हमला हुआ तो सख्ती से जवाब देंगे

ट्रम्प को ईरान पर हमले के तरीके बताए गए

प्रदर्शन

तेहरान, एजेंसी

ईरान में बीते दो हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। इस बीच अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान पर संभावित सैन्य हमलों के विकल्पों की ब्रीफिंग दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ईरान सरकार प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई करती है तो ट्रम्प सैन्य कदम उठाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने अभी अंतिम फैसला नहीं लिया है। ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लिखा, "ईरान आजादी की ओर देख रहा है, जो पहले कभी नहीं हुआ। अमेरिका मदद के लिए तैयार है।" वहीं, ईरान की संसद के स्पीकर

मोहम्मद बागेर कालिबाफ ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका या इजराइल ने ईरान पर हमला किया, तो दोनों को सख्ती से जवाब देंगे। दूसरी तरफ टाइम मैगजीन ने तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से बताया की कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक अब तक 2600 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक इस बातचीत में ईरान में अमेरिकी दखल की संभावना पर चर्चा हुई। अमेरिकी अधिकारी ने कॉल की पुष्टि की, लेकिन बातचीत के मुद्दों का खुलासा नहीं किया।

ईरान की अमेरिका और इजराइल को धमकी

ईरान ने अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई पर तीखी चेतावनी जारी की है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बगेर कलीबाफ ने कहा है कि अगर प्रदर्शनकारियों को लेकर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया, तो अमेरिकी सेना और इजराइल दोनों ईरान के निशाने पर होंगे। यह पहला मौका है जब ईरानी नेतृत्व की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई में इजराइल को भी सीधे तौर पर निशाना बनाए जाने की बात कही गई है।

ईरान पर हमले की आशंका को लेकर इजराइल हाई अलर्ट पर

ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका लेकर इजराइल हाई अलर्ट पर है। रॉयटर्स ने इजराइली सूत्रों के हवाले से बताया है कि, हालात को देखते हुए इजराइली सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता बढ़ाए हुए हैं। इजराइल और ईरान जून में 12 दिन की जंग लड़ चुके हैं, जिसमें अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर हवाई हमले किए थे। शनिवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच फोन पर बातचीत हुई।

66 पहलवी ने कहा कि उन्हें रिपोर्ट मिली हैं कि इस्लामी गणराज्य को प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा बल नहीं मिल पा रहे हैं। उनके मुताबिक, कई सुरक्षा कर्मियों ने अपने कार्यस्थल छोड़ दिए हैं और जनता के खिलाफ कार्रवाई के आदेश मानने से इनकार किया है। पहलवी ने अपने संदेश में कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए तैयार रहने की घोषणा की है।

क्राउन प्रिंस पहलवी ने आज फिर सड़कों पर उतरने की अपील

ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने देशभर में जारी प्रदर्शनों के बीच वीडियो संदेश जारी कर लोगों से सड़कों पर डटे रहने की अपील की है। पहलवी ने आज शाम 6 बजे फिर से सड़कों पर उतरने के लिए कहा।

टॉप-10 कंपनियों में 7 की वैल्यू ₹3.63 लाख करोड़ घटी

रिलायंस टॉप लूजर रही, इसकी वैल्यू ₹1.58 लाख करोड़ कम हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 3.63 लाख करोड़ रुपए घट गई। इस दौरान देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यू सबसे ज्यादा घटी है। रिलायंस का मार्केट कैप 1.58 लाख करोड़ रुपए घटकर 19.96 लाख करोड़ पर आ गया। HDFC बैंक की मार्केट वैल्यू 96,153 करोड़ घटकर 14.44 लाख करोड़ पर आ गई है। वहीं भारती एयरटेल का मार्केट कैप 45,274 करोड़ घटकर 11.55 लाख करोड़ पर आ गया है। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, TCS और इंफोसिस की वैल्यू भी घटी है। वहीं ICICI बैंक का मार्केट कैप 34,901 करोड़ रुपए बढ़कर 10.03 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। HUL की वैल्यू 6,097 करोड़ रुपए बढ़कर 5.57 लाख करोड़ पर आ गई है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक SBI की मार्केट वैल्यू भी बढ़ी है। SBI की मार्केट वैल्यू भी 600 करोड़ रुपए बढ़ी है, यह 9.23 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। मान लीजिए... कंपनी 'A' के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ x 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी। बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।

फास्ट न्यूज

डी-मार्ट को तीसरी-तिमाही में ₹856 करोड़ का मुनाफा

मुंबई। रिटेल चेन डी-मार्ट को ऑपरेट करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 855.78 करोड़ रुपए का मुनाफा (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 18.27% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में भी कंपनी को 723.54 करोड़ का मुनाफा हुआ था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में डी-मार्ट ने ऑपरेशन से 18,100.88 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया।

एनएसई आईपीओ को इस महीने मिल सकता है सेबी अप्रूवल

मुंबई। मार्केट रेगुलेटर सेबी (SEBI) इसी महीने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) को अपना पब्लिक इश्यू लाने के लिए जरूरी 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (NOC) दे सकता है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शनिवार को चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह संकेत दिए। तुहिन कांत ने कहा कि रेगुलेटर NOC जारी करने के बेहद एडवांस स्टेज में है और यह काम इसी महीने पूरा हो सकता है। मंजूरी मिलते ही एक्सचेंज अपने ड्राफ्ट पेपर (DRHP) दाखिल करने की प्रोसेस शुरू कर सकेगा।

टेस्ला का चौथा शोरूम बेंगलुरु में खुलेगा

नई दिल्ली। टेस्ला इंडिया ने अब बेंगलुरु में अपना चौथा शोरूम खोलने का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने X पर पोस्ट शेयर कर लिखा, 'सी यू सून इन नम्मा बेंगलुरु'। यह कदम भारत में टेस्ला की तेज एक्सपेंशन की ओर इशारा करता है। जहां कंपनी पहले से दिल्ली, मुंबई और गुरुग्राम में मौजूद है। टेस्ला ने अभी सटीक ओपनिंग डेट नहीं बताई है, लेकिन कंपनी का फोकस तेजी से बढ़ते साउथ इंडियन मार्केट पर है।

ऑफिस के काम में इंसानों को पीछे छोड़ देगा एआई

ओपनएआई असली कामकाज से ट्रेंड कर रहा नया एआई मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी

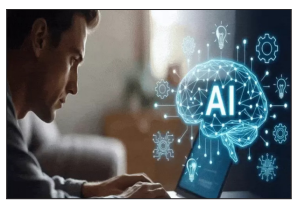

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव होने जा रहा है। ये सीधे तौर पर ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों की नौकरियों पर असर डाल कर सकता है। वायर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई एक एडवांस सिस्टम तैयार कर रही है। ये ऑफिस के रोजमर्रा के लगभग हर काम को इंसानों से ज्यादा सटीक और बेहतर तरीके से करने में खुद-ब-खुद सक्षम होगा। इस मॉडल को तैयार करने के लिए ओपनएआई इंसानों के असली कामकाज के डेटा का इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी ने इसके लिए 'हैंडशेक एआई' कंपनी के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत अलग-अलग प्रोफेशन के कॉन्ट्रैक्टर्स से उनके पुराने और मौजूदा ऑफिस वर्क का डेटा जुटाया जा रहा है। इससे AI सीखेगा कि असल दुनिया में टास्क कैसे पूरे किए जाते हैं। कॉन्ट्रैक्टर्स को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि डेटा अपलोड करने से पहले वे 'प्रोपराइटरी' (कंपनी की निजी) और 'पर्सनली आइडेंटिफिए-बल' (पहचान बताने वाली) जानकारी को हटा दें। टेक इंडस्ट्री के कई एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से 'वाइट कॉलर जॉब्स' (ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारी) के लिए मुश्किल पैदा हो सकती है। ओपन-एआई का अंतिम लक्ष्य 'आर्टिफिशि-यल जनरल इंटेलिजेंस' (AGI) हासिल करना है।

ग्रीनलैंड पर हमले का प्लान बना रहे ट्रम्प

स्पेशल कमांडो को जिम्मेदारी सौंपी, जनरल बोले- राष्ट्रपति की जिद 5 साल के बच्चे जैसी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए प्लान बनाने का निर्देश दिया है। डेली मेल के मुताबिक ट्रम्प ने जॉइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (JSOC) को यह जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि सैन्य अधिकारी इस विचार से सहमत नहीं दिख रहे हैं। वे इसे कानूनी रूप से गलत मानते हैं। डेली मेल को एक राजनयिक सूत्र ने बताया कि, 'जनरलों को लगता है कि ट्रम्प की ग्रीनलैंड योजना बेतुकी और गैरकानूनी है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति की जिद एक पांच साल के बच्चे से निपटने जैसा है।' अमेरिका ने अगर ग्रीनलैंड पर हमला किया तो इससे NATO के लिए गंभीर संकट पैदा कर सकता है। साथ ही यूरोपीय नेताओं के साथ सीधा टकराव हो सकता है, जिससे NATO गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच सकता है। कुछ यूरोपीय

66 रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प की यह रुचि घरेलू राजनीति से भी जुड़ी हो सकती है। इस साल के अंत में मिड-टर्म चुनाव होने वाले हैं और रिपब्लिकन ससंद पर नियंत्रण खोने से डर रहे हैं। इसलिए ट्रम्प कोई बड़ा कदम उठ-ाकर लोगों का अर्थव्यवस्था की समस्याओं से ध्यान हटाना चाहते हैं।

अधिकारियों का मानना है कि ट्रम्प के आसपास के कट्टरपंथी MAGA गुट का असली मकसद नाटो को अंदर से खत्म करना है।

ट्रम्प बोले- ग्रीनलैंड पर कब्जा नहीं किया तो रूस-चीन यहां आ जाएंगे

इससे पहले ट्रम्प ने शुक्रवार को बताया था कि अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड पर कब्जा करना क्यों जरूरी है। उन्होंने व्हाइट हाउस में तेल और गैस कंपनियों के बड़े अधिकारियों के साथ हुई एक बैठक के दौरान कहा कि अगर अमेरिका ने ऐसा नहीं किया तो रूस और चीन जैसे देश इस पर कब्जा कर लेंगे।

ट्रम्प बोले- ग्रीनलैंड से आसान तरीके से सौदा चाहता हूं

ट्रम्प ने आगे कहा, अमेरिका अगर ग्रीनलैंड को आसान तरीके से हासिल नहीं कर पाया, तो दूसरे सख्त तरीके अपनाने होंगे। उन्होंने कहा, 'हम ग्रीनलैंड के मुद्दे पर कुछ न कुछ करेंगे, चाहे उन्हें पसंद हो या न हो।' उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैं चाहता हूं कि सौदा आसान तरीके से हो जाए।' हालांकि, उन्होंने डेनमार्क के प्रति अपनी नरमी भी जताई और कहा, 'वैसे मैं डेनमार्क का बहुत बड़ा फैन हूं। वे मेरे साथ बहुत अच्छे रहे हैं।'

ट्रम्प नाटो को क्यों कमजोर करना या तोड़ना चाहते हैं?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प लंबे समय से NATO को अनुचित मानते हैं। उनका मानना है कि अमेरिका इसमें सबसे ज्यादा पैसा और संसाधन खर्च करता है, जबकि यूरोपीय देश अपने जीडीपी का 2% रक्षा पर खर्च करने के लक्ष्य को पूरा नहीं करते। पहले कार्यकाल में, उन्होंने NATO सहयोगियों से भुगतान बढ़ाने की मांग की और कहा कि अगर वे नहीं मानेंगे तो अमेरिका उनकी रक्षा नहीं करेगा। 2024 चुनाव अभियान में, ट्रम्प ने कहा कि वे रूस को उन NATO सदस्यों पर जो चाहे करने की अनुमति देंगे जो पर्याप्त खर्च नहीं करते।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प की धमकी बेवजह नहीं, वे मिलिट्री हमला कर सकते हैं

अमेरिकी एक्शन से कनाडा में चिंता बढ़ी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की वेनेजुएला में हालिया कार्रवाइयों के बाद कनाडा में भी डर और चिंता का माहौल है। अमेरिकी सेना हाल ही में वेनेजुएला में घुसकर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर न्यूयॉर्क ले आई थी। इस बीच ट्रम्प के पुराने बयान और धमकियां फिर चर्चा आ गईं जो उन्होंने कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने के लिए दी थीं। कनाडा के अखबार द ग्लोब एंड मेल में छपे एक लेख में कहा गया है कि कनाडाई लोगों को इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए कि ट्रम्प उनके देश के खिलाफ भी मिलिट्री प्रेशर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस लेख के लेखक और कनाडाई प्रोफेसर थॉमस होमर-डिक्सन ने कहा कि अगर कनाडा के

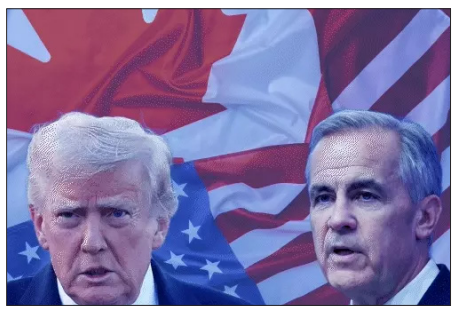

खिलाफ किसी तरह का सैन्य दबाव डाला जाता है, तो यह साफ होना चाहिए कि इसकी कीमत बहुत भारी होगी। कनाडा सरकार को सुरक्षा मामलों में सलाह दे चुके वेस्ली वार्क ने कहा कि ओटावा के कई अधिकारी अब भी यह मानने को तैयार नहीं हैं कि हालात इतने बदल चुके हैं। वेस्ली के मुताबिक, वेनेजुएला और ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प के कदम कनाडा के लिए आखिरी चेतावनी हैं। ये दिखाते हैं कि अमेरिका अब वैसा देश नहीं रहा जैसा पहले हुआ करता था। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला के तेल संसाधनों पर ट्रम्प के दबदबे के बाद यह साफ है कि अमेरिका पश्चिमी गोलार्ध में अपना वर्चस्व बढ़ाने के लिए ज्यादा आक्रामक हो सकता है।

अमेरिका मदद के बदले कनाडा पर दबाव डाल सकता है

कार्लेटन यूनिवर्सिटी के ही प्रोफेसर फिलिप लागासे ने एक और आशंका जताई। उनके मुताबिक, अगर कनाडा किसी बड़ी आपदा या ऐसे हालात में अमेरिका पर निर्भर होता है जिसे वह खुद संभाल नहीं सकता, तो मौजूदा अमेरिकी प्रशासन मदद के बदले शर्तें रख सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका मदद करने के बाद वहां से हटने से इनकार कर दे या बदले में मांगें रखे।

एक्सपर्ट बोले- अमेरिका अब पहले जैसा देश नहीं रहा

कनाडा की तरह ही ट्रम्प ग्रीनलैंड को भी अमेरिका में मिलाना चाहते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ग्रीनलैंड और कनाडा में कई समानताएं हैं। दोनों लोकतांत्रिक हैं, आर्कटिक इलाके में स्थित हैं और NATO जैसे सुरक्षा संगठन का हिस्सा हैं, जिस पर ट्रम्प अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। इसी वजह से कनाडा खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

कनाडा अपनी निर्भरता अमेरिका पर कम कर रहा

इस बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सत्ता में आने के बाद से ही अमेरिका पर निर्भरता कम करने की कोशिशें शुरू कर दी थी। वे अब चीन के साथ व्यापार बढ़ाने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। हाल ही में कार्नी ने कहा कि ग्रीनलैंड और डेनमार्क की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने ट्रम्प की कनाडा से जुड़ी पुरानी धमकियों पर कोई टिप्पणी नहीं की। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका की तरफ से कनाडा पर सीधा सैन्य हमला होना मुश्किल है, लेकिन आर्थिक दबाव डाला जा सकता है।

दावा : ग्रोक पर अब एआई से अश्लील तस्वीरें नहीं बनेंगी

एक्स ने गलती मानी, 3500 कंटेंट हटाए

नई दिल्ली, एजेंसी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X ने कंटेंट मॉडरेशन में अपनी गलतियां स्वीकार की हैं। कंपनी ने कहा है कि अश्लील इमेज जनरेशन पर पूरी तरह से रोक लगाएगी और भारत के कानूनों का पालन करेगी। सरकार के सूत्रों के मुताबिक यह फैसला अश्लील कंटेंट वायरल होने के बाद लिया गया। प्लेटफॉर्म ने बताया कि उन्होंने 3,500 से ज्यादा कंटेंट ब्लॉक कर दिए हैं। साथ ही 600 से ज्यादा अकाउंट्स भी डिलीट कर दिए गए हैं। दरअसल, शिवसेना (UBT) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने 2 जनवरी को AI चैटबोट Grok के गलत इस्तेमाल को लेकर आईटी मिनिस्टर को लेटर लिखा था। इसके बाद केंद्र सरकार ने उसी दिन X से कहा था कि वह AI ऐप Grok से बनाई जा रहे अश्लील, फूहड़ कंटेंट को तुरंत हटाए, नहीं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। X ने कार्रवाई की जानकारी देते हुए कहा कि भारत हमारे लिए बड़ा बाजार है। कंपनी ने कहा कि वह यहां के नियमों का सम्मान करेगी। यह कदम कंटेंट मॉडरेशन को मजबूत बनाएगा। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा- X ने कंटेंट को रोकने की जगह सीमित कर दिया है। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शनिवार को X पर इस मामले में फिर एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X ने Grok के माध्यम से आपत्तिजनक और यौन रूप से उत्तेजक इमेज जेनरेशन को पूरी तरह से रोकने की बजाय केवल पेड यूजर्स तक सीमित कर दिया है।

हंगामा : कीवी ग्रुप ने हाका डांस किया, बोले- ये हमारी गलियां, तलवारें लहराने की परमिशन किसने दी

न्यूजीलैंड में दूसरी बार नगर कीर्तन का विरोध

जालंधर, एजेंसी

न्यूजीलैंड में एक बार फिर सिख नगर कीर्तन का विरोध किया गया है। 20 दिन के अंदर ये दूसरी बार है। हालांकि इस बार नगर कीर्तन को रोका नहीं गया। इसके खिलाफ डेस्टिनी चर्च से जुड़े ब्रायन टमाकी के समूह ने सड़कों पर उतरकर हाका डांस किया। उन्होंने कहा कि ये किसकी गलियां हैं, हमारी गलियां हैं। यहां पर सरेआम तलवारें और झंडे लहराने की इजाजत किसने दी। हम अपने कल्चर को इस तरह से बर्बाद नहीं होने देंगे। हम किसी को भी अपनी सड़कों और गलियों का

इस्तेमाल हमारे देश के कल्चर को बिगाड़ने के लिए नहीं देंगे। उधर, सिख युवकों ने टमाकी के हाका डांस के बावजूद शांतिपूर्ण ढंग से नगर कीर्तन निकाला। करीब 20 दिन पहले भी साउथ ऑकलैंड के उपनगर मनुरेवा में भी ब्रायन टमाकी समर्थकों ने हाका किया था। इस दौरान नगर कीर्तन को रोक लिया गया था।

20 दिन पहले भी किया था नगर कीर्तन का विरोध

करीब 20 दिन पहले भी न्यूजीलैंड में लोकल लोगों ने सिख समुदाय की तरफ से निकाले जा रहे नगर कीर्तन का विरोध किया था। उन्होंने नगर कीर्तन का रास्ता रोक दिया था। प्रदर्शनकारियों ने 'दिस इज न्यूजीलैंड, नॉट इंडिया' यानी यह न्यूजीलैंड है, भारत नहीं और 'न्यूजीलैंड को न्यूजीलैंड ही रहने दो, यह हमारी जमीन है, यही हमारा स्टैंड है' के बैनर लहराए थे। यह प्रदर्शन उस वक्त हुआ था, जब सिख समुदाय का नगर कीर्तन गुरुद्वारे लौट रहा था। हालांकि न्यूजीलैंड पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बीचबचाव किया और प्रदर्शनकारियों को हटा दिया।

सीएम मान ने की थी केंद्र सरकार से दखल देने की अपील

इस मामले में पंजाब सीएम भगवंत मान का बयान भी आया था। उन्होंने कहा था कि हर व्यक्ति को अपने धर्म का प्रचार-प्रसार करने का हक है। न्यूजीलैंड डेवलप्ड कंट्री है, इस तरह का वहां पहले कभी नहीं सुना था। केंद्र सरकार को न्यूजीलैंड सरकार से बात करनी चाहिए।

सीएम ने आगे कहा था- बाहर कोई ऐसी घटनाएं होती हैं तो उसमें भी हमारा नाम लग जाता है। केंद्र सरकार को राजदूत को बुलाकर इस पर सख्त एतराज जताना चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि हमारे नागरिक शांति पसंद हैं। उनका न्यूजीलैंड के विकास में बहुत योगदान है।

एसबीआई की 'हर घर लखपति' स्कीम में करें निवेश

इसमें हर महीने ₹610 जमा करने पर मिलेंगे ₹1 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक यानी SBI एक खास रिकरिंग डिपॉजिट (RD) स्कीम 'हर घर लखपति' चला रहा है। इस स्कीम के तहत आप हर महीने छोटी-छोटी रकम जमा करके एक लाख या इससे ज्यादा रुपए इंतजाम कर सकते हैं। इसमें सामान्य नागरिकों को अधिकतम 6.55% और वरिष्ठ नागरिकों (सीनियर सिटीजन) को अधिकतम 7.05% सालाना ब्याज दिया जा रहा है। 'हर घर लखपति' एक खास रिकरिंग डिपॉजिट (RD) स्कीम है। इस स्कीम के तहत आप हर महीने छोटी-छोटी रकम जमा करके एक लाख या इससे ज्यादा रुपए इंतजाम कर सकते हैं। इसमें 10 साल तक हर महीने 610 रुपए जमा करने पर आपका 1 लाख रुपए का फंड तैयार हो जाएगा। रिकरिंग डिपॉजिट या RD बड़ी बचत में आपकी मदद कर सकती है। आप इसका इस्तेमाल गुल्लक की तरह कर सकते हैं। मतलब आप इसमें हर महीने सैलरी आने पर एक निश्चित रकम डालते रहें और इसके मैच्योर होने पर आपके हाथ में बड़ी रकम होगी। हर घर लखपति का मैच्योरिटी पीरियड आमतौर पर 3 साल से 10 साल तक रहता है। यानी आप 3 साल से 10 साल तक के लिए निवेश कर सकते हैं। हर घर लखपति योजना में आप 1 लाख रुपए से ज्यादा का टारगेट भी चुन सकते हैं। इसमें 2, 3 और 4 लाख आदि का टारगेट सेट करके भी निवेश कर सकते हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96